▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 99 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 03-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार चुनाव में महागठबंधन के लिए वोट करें : शिवकुमार

6 बिहार में किस करवट बैठेगा चुनावी ऊंट?

7 विश्व स्नूकर में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे आडवाणी

फर्स्ट टेक

बाल भिक्षावृत्ति के चंगुल से 704 बच्चे मुक्त कराए गए

चंडीगढ़, दो नवंबर (भाषा) पंजाब की मंत्री बलजीत कौर ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने अपनी प्रमुख पहलों 'प्रोजेक्ट जीवनजोत' और 'प्रोजेक्ट जीवनजोत 2.0' के तहत अब तक 704 बच्चों को बाल भिक्षावृत्ति के चंगुल से मुक्त कराया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य के प्रत्येक बच्चे का पुनर्वास, संरक्षण और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री कौर ने कहा कि जुलाई 2024 से पूरे पंजाब में लागू 'प्रोजेक्ट जीवनजोत' जिला प्रशासन द्वारा हर महीने के दूसरे सप्ताह में बचाव अभियान चलाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि बचाए गए बच्चों का उनकी उम्र, पात्रता और दस्तावेजों की उपलब्धता के आधार पर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पुनर्वास किया जा रहा है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस काफिले पर आईईडी हमला

पेशावर/भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) के जरिए पुलिस के एक काफिले पर हमला किया गया, जिसमें एक थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) खान जेब खान ने बताया कि काफिले पर यह हमला हांगू जिले में उस समय हुआ, जब पुलिसकर्मी एक शांति समिति की बैठक से लौट रहे थे। इस हमले में थाना प्रभारी इमरानुद्दीन और दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हुए। उन्हें तुरंत तहसील मुख्यालय अस्पताल दोआबा ले जाया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

कनाडा और फिलीपीन ने चीन को रोकने के लिए रक्षा समझौता किया

मनीला (फिलीपीन)/एपी। विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता के कटु आलोचक कनाडा और फिलीपीन ने रविवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य उनकी सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास करना और आक्रामकता को रोकना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कनाडा एवं अन्य पश्चिमी देश कानून के शासन को बढ़ावा देने और क्षेत्र में व्यापार व निवेश बढ़ाने में मदद करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर अन्य देशों के साथ रक्षा संबंध स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं, ताकि उनके देश की सेना को विवादित जल क्षेत्र में सैन्य रूप से अपेक्षाकृत मजबूत चीन का सामना करने में मदद मिल सके।

03-11-2025 सूर्यास्त 5:41 बजे | 04-11-2025 सूर्योदय 6:03 बजे

BSE	NSE
83,938.71	25,722.10
(-465.75)	(-155.75)

सोना	चांदी
12,665 रु.	166,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

इंतजार है

कब आएगा वह वक्त,
चुनावों में ना होगा दुष्प्रचार।
ना भीड़ जुटाने खातिर दल,
बाँटेंगे धन या इश्तिहार।
होंगे प्रत्याशी योग्य सभी,
ना जाति धर्म होगा आधार।
मिडिया तटस्थ निष्पक्ष रहे,
हिंसा नफरत हो दरकिनार।।

इसरो ने रचा इतिहास

'बाहुबली' रॉकेट ने सबसे भारी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

4,410 किलोग्राम वज़नी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को एलवीएम 3-एम5 रॉकेट के ज़रिए प्रक्षेपित किया गया

सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है और यह भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएँ प्रदान करेगा।

श्रीहरिकोटा/भाषा। भारतीय धरती से नयी पीढ़ी के स्वदेशी 'बाहुबली' रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह रविवार को सफलतापूर्वक इच्छित कक्षा में स्थापित कर दिया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि 4,410 किलोग्राम वज़नी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को एलवीएम 3-एम5 रॉकेट के ज़रिए प्रक्षेपित किया गया, जिससे भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी को यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने में मदद मिली। इसने कहा कि सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है और यह भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएँ प्रदान करेगा। इसने कहा कि उपग्रह को वांछित भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। यह 2013 में प्रक्षेपित की गई जीसैट 7 श्रृंखला का प्रतिस्थापन भी है।

इसरो का मार्च 2026 तक सात मिशन प्रक्षेपित करने का लक्ष्य : अध्यक्ष नारायणन

श्रीहरिकोटर/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मार्च 2026 के अंत तक सात मिशन प्रक्षेपित करने का लक्ष्य तय किया है। इनमें गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला मानवरहित मिशन भी शामिल है। यह जानकारी रविवार को इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने दी। उन्होंने कहा कि इसरो ने गगनयान कार्यक्रम के तहत मानवयुक्त मिशन से पहले तीन मानवरहित मिशन को प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है। इनमें से पहला मानवरहित प्रक्षेपण 'जी1 मिशन' मार्च 2026 तक होने की संभावना है। नारायणन ने कहा, ''हमारा गगनयान कार्यक्रम अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। यह अग्रिम चरण में है। सभी उपकरण श्रीहरिकोटा पहुंच चुके हैं और उन्हें संयोजित किया जा रहा है। हमने तीन मानवरहित मिशन की योजना बनाई है। पहला मानवरहित मिशन, 'जी1 मिशन', चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले पूरा हो जाएगा।''

सीएमएस-03 उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में मजबूत दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा : नौसेना

नयी दिल्ली, दो नवंबर (भाषा) संचार उपग्रह सीएमएस-03 हिंद महासागर क्षेत्र में मजबूत दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा और नौसेना की अंतरिक्ष-आधारित संचार और समुद्री क्षेत्रीय क्षमताओं को मजबूत करेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह उच्च क्षमता वाले बैंडविड्थ के साथ कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, जिससे जहाजों, विमानों, पनडुब्बियों और भारतीय नौसेना के समुद्री संचालन केंद्रों के बीच निर्बाध और सुरक्षित संचार संपर्क संभव हो सकेगा।

स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित उपग्रह को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया।

इसरो के अनुसार, सीएमएस-03 बहु-बैंड संचार उपग्रह है और यह भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा।

विकसित भारत के लिए सभी का सहयोग चाहिए : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना पूरा करने के लिए महिलाओं समेत सभी का सहयोग चाहिए। राष्ट्रपति ने यहां पतंजलि विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यह जानकार बहुत प्रसन्नता हुई है कि यहां शिक्षा प्राप्त कर रहे कुल छात्रों में 62 प्रतिशत और आज उपाधि ग्रहण करने वाले छात्रों में 64 प्रतिशत छात्राएं हैं जबकि पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चौगुनी है।

उन्होंने कहा, यह केवल संख्या नहीं है, यह महिलाओं के नेतृत्व में आगे बढ़ने वाले विकसित भारत का अग्रिम स्वरूप है। साथ ही, यह भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा का विस्तार है जिसमें गार्गी, मैत्रेयी, अपाला और लोपामुद्रा जैसी विदुषी महिलाएं समाज को बौद्धिक व आध्यात्मिक नेतृत्व प्रदान करती थीं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि हमारी शिक्षित बेटियां अपनी आंतरिक शक्ति व प्रतिभा से भारत माता का गौरव बढ़ाएंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की 140 करोड़ की आबादी में से 50 फीसदी महिलाएं हैं तो 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए महिलाओं समेत सभी का सहयोग चाहिए। उन्होंने कहा, अगर केवल बेटे प्रयास करेंगे और बेटियां पीछे रह जाएंगी तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा।

राष्ट्रपति ने योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार प्रसार में पतंजलि विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि हिमालय के इस आंचल से अनेक पवित्र नदियों के साथ ही ज्ञान-गंगा की अनेक धाराएं भी प्रवाहित होती हैं और उनमें इस विश्वविद्यालय की एक अविरल धारा भी जुड़ गई है। उन्होंने छात्रों से कहा, भारतीय संस्कृति के अनुसार आधुनिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाले इस विश्वविद्यालय में पढ़ने का निर्णय लेकर आप सब एक महान सांस्कृतिक परंपरा के संवाहक बने हैं और इसके आपके अभिभावकों की भी सराहना की जानी चाहिए।

राजस्थान के फलोदी में भीषण सड़क हादसा, 15 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के फलोदी जिले में रविवार देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में 10 महिलाओं और चार बच्चों सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

जोधपुर के पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश ने बताया कि यह दुर्घटना भारतमाला राजमार्ग पर जोधपुर जिले के बापिणी उपखंड के मतोड़ा गांव के पास हुई। उन्होंने कहा, ''15 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को पहले ओसियां के अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया।''

अधिकारियों के अनुसार, सभी पीड़ित जोधपुर के चांदपोल बड़ा रामदेवरा के पास नैनची बाग के निवासी थे। वे देवउठनी एकादशी के अवसर पर बीकानेर जिले के कोलायत स्थित कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना कर लौट रहे थे।

यह हादसा उनके जोधपुर पहुंचने से लगभग 80 किलोमीटर पहले हुआ। प्रत्यक्षदर्शी महिपाल सारण ने बताया कि भारतमाला राजमार्ग के किनारे कई छोटे-छोटे ढाबे बने हुए हैं।

भारत में गूगल जैसी कंपनियां स्थापित करें छात्र : अरविंद कुमार शर्मा

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने रविवार को छात्रों से 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को सर्वोपरि रखते हुए भारत में गूगल जैसी कंपनियां स्थापित करने का आह्वान किया। शर्मा ने लखनऊ स्थित इंटीग्रल विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय मेधा विदेश में जाकर अपनी प्रतिभा का लोहा लंबे समय से मनवा रही है। अब समय आ गया है कि उस प्रतिभा का इस्तेमाल अपने देश को आगे बढ़ाने में किया जाए। उन्होंने गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचई का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की मेधा ने विदेश में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं।

अदाणी-अंबानी के रिमोट से चलते हैं मोदी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेगूसराय/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह न केवल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं, बल्कि ''बड़े कारोबारी घरानों के रिमोट कंट्रोल'' के इशारे पर काम करते हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने बिहार के बेगूसराय जिले में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''बड़ी छाती होना ताकतवर होने की निशानी नहीं है। महात्मा गांधी को देखिए, उनका शरीर कमजोर था, लेकिन उन्होंने उस वक्त की महाशक्ति ब्रिटिश हुकूमत को झुका दिया।'' उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''दूसरी ओर, हमारे नरेन्द्र मोदी हैं, जो अपनी 56 इंच की छाती होने का दावा करते हैं, लेकिन जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ट्रंप का फोन आया तो उन्हें घबराहट का दौरा पड़ गया और पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव दो दिन में खत्म हो गया। वह न सिर्फ ट्रंप से डरते हैं बल्कि अदाणी और अंबानी के रिमोट से चलते हैं।''

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के सभी बड़े फैसले जैसे नोटबंदी और माल एवं सेवाकर (जीएसटी) ''छोटे कारोबारियों को खत्म करके बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए गए थे।''

रूस ने किया परमाणु पनडुब्बी का जलावतरण

मॉस्को/भाषा। रूस ने अपने नये परमाणु पनडुब्बी का जलावतरण किया है, जो 'पोसेइडॉन' परमाणु ड्रोन से लैस है। इसे 'डूम्सडे मिसाइल (प्रलयकारी मिसाइल)' कहा जा रहा है, जो तटीय देशों को नष्ट कर देने में सक्षम है। मीडिया के मुताबिक, रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने सेवमाश शिपयार्ड के सेवेरोद्विंस्क में रूसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेयेव और अन्य शीर्ष जहाज निर्माण अधिकारियों की उपस्थिति में एक भव्य समारोह में परमाणु पनडुब्बी 'खाबरोवस्क' का जलावतरण किया। बेलौसोव ने शनिवार देर रात टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा,''आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण घटना है - परमाणु ऊर्जा से चालित मिसाइल क्रूजर खाबरोवस्क का प्रसिद्ध सेवमाश से जलावतरण किया जा रहा है।''

नारी शक्ति का परचम, भारत की बेटियों ने पहली बार जीता आईसीसी विश्व कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। भारत ने शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला खेल से रविवार को यहां महिला आईसीसी वनडे विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत कर इतिहास रच दिया।

शेफाली ने पारी का आगाज करते हुए 78 गेंद में 87 रन की आक्रामक पारी खेलने के बाद अपनी स्पिन गेंदबाजी से सुने लुस और मारिजान काप (चार) जैसी अनुभवी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई तो वहीं बीच के ओवरों में विकेटों के पतन के बीच 58 गेंद में 58 रन का योगदान देने वाली दीप्ति ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ने वाली दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (101) सहित पांच विकेट झटकर मैच का पासा पलट दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 298 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को 246 रन पर रोककर इस टूर्नामेंट के इतिहास में 52 साल के सूखे को खत्म किया।

वोल्वार्ड्ट 41वें ओवर तक एक छोर से डटी रही लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट के पतन से जरूरी रनगति बढ़ने से दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों पर दबाव हावी हो गया। दीप्ति की गेंद पर जैसे ही हरमनप्रीत ने नाडिन डि क्लार्क (18) का कैच पकड़ा वैसे ही दर्शकों की नीली जर्सी के समंदर से पटे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गयी। भारतीय खिलाड़ियों ने भावनाओं पर काबू रखने की कोशिश की लेकिन पूरा स्टेडियम जब 'वंदेमातरम, मां तुझे सलाम और लहरा दो सरकशी का परचम लहरा दो'.. गाने को एक सुर में गाना शुरू किया तो यहां मौजूद किसी के लिए भी भावनाओं को काबू में रखना मुश्किल था। स्टेडियम में मौजूद पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और वीवीएस लक्ष्मण भी भारतीय तिरंगे को लहराते दिखे।

शी चिनफिंग ने आश्वासन दिया है कि ताइवान पर कार्रवाई नहीं करेंगे : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेस्ट पाम बीच (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जब तक वह (ट्रंप) पद पर हैं, चीन ताइवान को मुख्य भूभाग के साथ एकीकृत करने के अपने लंबे समय से घोषित लक्ष्य की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं करेगा। ट्रंप ने कहा कि बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में शी चिनफिंग के साथ उनकी बातचीत में ताइवान का विवादास्पद मुद्दा नहीं उठा। उन्होंने कहा कि यह बैठक मुख्यत: अमेरिका-चीन व्यापार तनाव पर केंद्रित थी। ट्रंप ने यह विश्वास भी जताया कि उनके कार्यकाल के दौरान चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

ट्रंप ने रविवार को प्रसारित सीबीएस के कार्यक्रम 60 मिनट्स के साथ एक साक्षात्कार में कहा, उन्होंने (चिनफिंग ने) स्पष्ट तौर पर कहा, और उनके लोगों ने बैठकों में साफ तौर पर कहा है, 'ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए हम कभी कुछ नहीं करेंगे,' क्योंकि वे इसके परिणाम जानते हैं।

अमेरिकी अधिकारी लंबे समय से इस बात को लेकर चिंतित हैं कि चीन ताइवान के खिलाफ सैन्य बल का प्रयोग कर सकता है। ताइवान स्वशासित क्षेत्र है, जिस पर चीन अपना दावा करता है कि वह उसका हिस्सा है। यह पूछे जाने पर कि अगर चीन हमला करता है तो क्या वह अमेरिकी सेना को ताइवान की रक्षा करने का आदेश देंगे, ट्रंप ने सीधा जवाब देने से परहेज किया।

सेनगोट्टैयन स्वार्थी हो गए हैं : अन्नाद्रमुक नेता उदयकुमार

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता आर बी उदयकुमार ने निष्कासित नेता और पूर्व मंत्री के ए सेनगोट्टैयन पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के प्रयास में वह असंगत और स्वार्थी'' हो गए हैं। उदयकुमार ने एक बयान में कहा, शुरू में उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाता है तो उन्हें खुशी होगी। अब वह साक्षात्कारों में दावा कर रहे हैं कि इस फैसले से वह स्तब्ध हैं और उनकी नींद उड़ गई है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह कानूनी लड़ाई लड़ने की योजना बना रहे हैं। यह बयान उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच पर भी साझा किया। विपक्ष के उपनेता के अनुसार, अब पोल खुल चुकी है। सेनगोट्टैयन अपने असफल राजनीतिक करियर को बचाने के लिए बेतहाशा कोशिश करते हुए स्वार्थ के सभी लक्षण दिखा रहे हैं।

अध्यात्म जगत के दैदीप्यमान नक्षत्र थे जैन दिवाकर चौथमल : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में रविवार को प्रवचन में जैन दिवाकर चौथमल जी की जयंती तपत्याग पूर्वक सामायिक दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने चौथमलजी का गुणानुवाद करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति पर संत ऋषि मुनियों का महान् उपकार रहा है। गुरु के बिना जीवन की साधना अधूरी है। गुरु जीवन निर्माता है। गुरु शिष्य के अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर उसे अपने सम्यक ज्ञान की रोशनी से उसके जीवन को आलोकित कर देते हैं। गुरु कारीगर के समान शिष्य के जीवन को एक सही आकार प्रदान करते हुए उसके जीवन को आत्म कल्याण हितकारी सही दिशा प्रदान करते हैं। संतश्री ने आगे कहा कि जैन दिवाकर श्री चौथमल जी महाराज अध्यात्म जगत के एक दैदीप्यमान ज्योतिपुंज नक्षत्र थे,जिनका मालवा की धरती पर विशेष विचरण और महान उपकार रहा। उन्होंने मालवा भूमि के सामाजिक, आध्यात्मिक गौरवशाली इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि उसी मालवा की पवित्र भूमि पर श्री चौथमल जी महाराज का जन्म हुआ।

राजा संप्रति, सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज, आचार्यश्री धर्म दास जी महाराज आदि के महान् प्रेरक जीवन इतिहास के संस्मरणो को धर्म सभा में प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि चौथमल जी महाराज ने मात्र सोलह वर्ष की उम्र में आचार्य श्री हीरामुनि जी म सा के पास संयम दीक्षा ली। उनकी पुण्यवानी जबरदस्त थी। चौथमलजी कुशल प्रवचनकार थे। उन्होंने अनेक काव्य, साहित्य की रचना की। फकीरी का आनंद हर समय आपके चेहरे पर विद्यमान रहता था। वे समाज सुधारक, दीन असहायों के सहायक, प्रसिद्ध वक्ता, और जन कल्याण के कार्यों में सदैव सबको प्रेरित करते रहते थे। संतश्री का दृष्टिकोण व्यापक और उदार था।

प्रारंभ में श्री शालिभद्रमुनिजी ने जैन दिवाकर के गुण स्मरण भजन के माध्यम से करते हुए धर्म सभा का संचालन किया। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। समिति के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। आराधना केन्द्र परिसर में 18 पाप स्थानक की परख विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन गुरु ज्येष्ठ पुष्कर बालिका मंडल द्वारा किया गया। समिति की ओर से सभी सहयोगी एवं बालिका मंडल की सदस्याओं का सम्मान किया।

कुछ शब्द घाव देते हैं तो कुछ दवा के समान : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैन दिवाकर चौथमलजी की जयंती मनाई

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को जैन दिवाकर श्री चौथमलजी की जयंती एवं चार्तुमासिक विदाई समारोह आयोजित किया गया। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मोह, माया बहुत ही अलग होती है। गली में अगर कुत्ता रहता है तो लोगों को उससे भी मोह हो जाता है। ऐसे में भगवान की वाणी सुनाने वालों से मोह होना तो स्वाभाविक है। इस दुनिया में कुछ भी मुश्किल नहीं है। जो लगातार चलता है उसे मंजिल जरूर मिल ही जाती है। कोई जहाज से जाता है, कोई ट्रेन से, तो कोई पैदल जाता है। लेकिन समय के हिसाब से सभी अपनी मंजिल को पा ही लेते हैं। भगवान महावीर का संदेश देने के लिए हम यहां आएं हैं तो लगाव स्वभाविक है। भगवान का संदेश हम हमारे अपने शब्दों में बांटने का काम करते हैं। इसी कारण हमारे बीच में वात्सल्य भाव, प्रेम और आत्मीयता बना हुआ है। यही भाव संतों के प्रति सदा रहना चाहिए। धर्म की राह पर चल कर जीवन का कल्याण करते रहें। हमने गुरुवाणी को सुनाया और आपने बड़े प्रेम भाव से सुना। हमने पाया है इसलिए आपके सामने बोलने लायक हुए हैं। सब कुछ शब्दों का ही खेल है। वचन वचन ही होता है। वचन के हाथ पांव नहीं होते हैं। यही शब्द किसी को घाव दे देते हैं तो यही शब्द किसी के लिए दवा का काम कर जाते हैं, इसलिए मनुष्य को अपने वचनों पर नियंत्रण कर के ही चलना चाहिए।

संतश्री ने कहा कि खाने से ज्यादा खिलाने का प्रयास करना चाहिए। खाओंगे तो बदबू और खिलाओगे तो खुशबू होगी। लेकिन प्रेम से खिलाओगे तो सुगंध आएगी। खाने वाला जीवन भर याद रखता है। अगर किसी को खिलाना है तो प्रेम से ही खिलाना चाहिए। अन्यथा खिलाने का कोई मतलब नहीं निकलेगा। वाणी और शास्त्र भगवान का है। हमारा सिर्फ शब्द है। महापुरुषों की कृपा से हमने जो सिखा है वह आपको बता देते हैं। करने वाला करता है, देने वाला देता है, उसमे हम कुछ नहीं करते हैं। ऐसे ही महान गुरु जैन दिवाकर चौथमलजी को हम आज याद कर रहे हैं।

उन्होंने जैन शासन की महान ध्वजा फहराई है। मारवाड़,उत्तरप्रदेश, मेवाड़ और दिल्ली समेत अन्य जगहों पर जैन शासन की ज्योत जलाई थी। वे बहुत ही विद्वान गुरु थे। उनके नाम से ही दिवाकर समुदाय चलता है। वे बहुत प्रतापी थे। उनका जन्म चौरड़िया परिवार में हुआ था। पिता गंगाराम और माता केसरबाई थी। चौथमलजी बहुत ही संस्कारी थे। मारवाड़ भूमि संतों की भूमि है। वहां काफी संतों का वितरण होता है। उन्हें संतों का सम्पर्क हुआ और वाणी मिली।ऐसे महापुरुषों के बताए मार्गों पर चलने वाला अपने जीवन को बदल सकता है। सभा में अशोककुमार रांका, महावीर भिलवाड़िया, महेंद्रकुमार मुणोत, ज्ञानचंद मुथा, मनोजकुमार रांका, प्रदीपकुमार धोखा, शांतिलाल लुणावत, प्रेमकुमार मेहता, गौतमचंद नाहर, जम्बुकुमार धारीवाल, गौतमचंद काकरिया, उगमराज फूलफगर, सज्जनराज पारसमणि, रुनवाल, दिलीपकुमार लुणावत, नवरत्नमल बम्ब, प्रकाशचंद दलाल की उपस्थिति थी।

अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने चातुर्मास के सभी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए इस ऐतिहासिक चातुर्मास काल के लिए गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कनिका श्रीश्रीमाल ने चातुर्मास सम्बंधित विचार व्यक्त किए। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन करते हुए महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

मुझ पर दबाव डालने के लिए मेरे परिजनों के खिलाफ मामले दायर किए गए : न्यायाधीश एनवी रमण

अमरावती/भाषा। पूर्व प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा है कि उन पर ''दबाव डालने के लिए'' उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले दायर किए गए थे। वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, न्यायमूर्ति रमण ने राज्य की पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना शनिवार को कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखने वाले न्यायपालिका के सदस्यों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, ''यहां उपस्थित अधिकांश लोग जानते हैं कि कैसे मेरे परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ

आपराधिक मामले दर्ज किए गए। यह सब केवल मुझे मजबूर करने के लिए किया गया था, और मैं अकेला नहीं था। उस कठिन दौर में, किसानों के मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले सभी लोगों को धमकी और दबाव का सामना करना पड़ा।'' न्यायमूर्ति रमण तत्कालीन वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ किसानों के आंदोलन का जिक्र कर रहे थे। अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में रद्द करने और विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुरनूल को न्यायिक राजधानी बनाने के तीन राजधानियों' के फॉर्मूले को अपनाने के तत्कालीन जगन मोहन सरकार के फैसले के खिलाफ आंदोलन किया गया था। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे समय में, जब कई नेता कोई रुख अपनाने में हिचकिचा रहे थे या चुप्पी साधे हुए थे, तब इस देश के न्यायविद, वकील और अदालतें ही थीं, जो अपनी संवैधानिक शपथ पर अड़ी रहीं।

सऊदी अरब की फ्लाईडील 2026 में भारत के लिए उड़ानें शुरू करेगी

नई दिल्ली। तेजी से बढ़ते भारतीय विमानन बाजार से उत्साहित सऊदी अरब की कंपनी फ्लाईडील 2026 की पहली तिमाही से मुंबई समेत भारतीय शहरों के लिए उड़ानें शुरू करेगी। फ्लाईडील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) स्टीवन ग्रीनवे ने पीटीआई-भाषा से कहा कि भारत दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी हवाई बाजारों में से एक है और यहां उड़ान संचालन के लिए खर्चों पर कड़ी निगरानी रखना जरूरी है। फ्लाईडील आठ वर्षों से अधिक समय से उड़ान भर रही है और इस वर्ष के अंत तक उसके बेड़े में 46 विमान होने की उम्मीद है। वर्तमान में इसके पास 42 ए320 श्रृंखला के विमान हैं और इसने 10 वाइड-बॉडी ए330 नियो विमान के ऑर्डर भी दिए हैं, जो जुलाई 2027 से आने शुरू होंगे।

ग्रीनवे ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हमारा इरादा अगले साल की पहली तिमाही में भारत में परिचालन शुरू करने का है... हम मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों में परिचालन शुरू करने की उम्मीद करते हैं, और साथ ही हमारा ध्यान भारत के दूसरे शहरों पर भी होगा... मुझे लगता है कि मुंबई पहला शहर होगा।'' सऊदी अरब और भारत के बीच एक महत्वपूर्ण विमानन बाजार है और फ्लाईडील अपने देश में 25 गंतव्यों को जोड़ता है। ग्रीनवे ने कहा कि फ्लाईडील भारत की किसी घरेलू विमानन कंपनी के साथ कोडशेयर साझेदारी करना चाहती है। कोडशेयर साझेदारी में एक विमानन कंपनी अपने यात्री को एक ही टिकट पर अपनी साझेदार विमानन कंपनी की उड़ान में यात्रा की सुविधा देती है। उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी को उम्मीद है कि वह 2026 के अंत तक जेद्दा, रियाद और दम्मम स्थित अपने केंद्रों से भारत के छह गंतव्यों तक पहुंच जाएगी।

अन्नदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर द्वारा रविवार को सिटी मार्केट में 33वाँ अन्नदान सेवा का आयोजन किया जिसमें महावीरचन्द नितेशकुमार लुंकड के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में चेयरमैन विजयराज सिसोदिया, मुख्य सचिव आशिक पिरगल, संजय भंडारी ने 500 से अधिक लोगों को भोजन कराया गया, साथ ही 1000 महिलाओं व 100 पुरुषों को वस्त्र वितरित किए।

प्रभु की वाणी को सुनने का सभी को समान अवसर मिलता है : साध्वी वृद्धिप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में विदाई पूर्व प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रभु की वाणी को सुनने का सभी को समान अवसर मिलता है। चातुर्मास भी सभी के लिए होता है। पुण्य और पुरुषार्थ के अनुसार भवी जीव ऐसे अवसरों का लाभ उठा लेते हैं और कोई कोई घर आई गंगा को पाकर भी प्यासे रह जाते हैं। यदि प्रभु की वाणी हृदय में रम जाती है तो यही संस्कार वटवृक्ष बन जाते हैं। हम भीड़ और भेड़ नहीं बने बल्कि स्वयं के अस्तित्व को याद रखें। प्रत्याख्यान को आदत नहीं, बल्कि आचरण बनाएं और नकारात्मक ऊर्जा को रोकने के लिए हमेशा सकारात्मक ही रहें।

संघ की ओर से विदाई के मौके पर अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि संघ संयति वर्ग के माता पिता होते हैं। साध्वी वृंद ने संघ को जिनवाणी अमृत पान करा

कर उपकार किया है। वे गोचरी लेते हैं तो बदले में सुपात्र दान का लाभ भी देते हैं। साध्वी श्री शशिप्रभा जी महाराज साहब के चातुर्मास से अलसूर संघ को यश लाभ प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर जैन युवक संघ के सदस्यों ने विदाई गीत प्रस्तुत करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। देवांश बोरुंदिया, हीतांशी भंडारी, कशिश लोढ़ा, करिश्मा खाबिया को इस चातुर्मास में प्रतिक्रमण कंठस्थ करने के लिए पुरस्कृत किया गया। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

अजित पवार ने महाराष्ट्र ओलंपिक संघ का अध्यक्ष पद बरकरार रखा

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजित पवार रविवार को लगातार चौथी बार निर्विरोध रूप से महाराष्ट्र ओलंपिक संघ (एमओए) के अध्यक्ष चुने गए। यह घटनाक्रम महायुति के सहयोगी दलों- राकांपा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)- के बीच बनी सहमति के कारण हुआ, जिसके तहत एमओए के भीतर कुछ प्रमुख पद भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री

मुरलीधर मोहोल के पैनल की ओर से समर्थित सदस्यों को दिए जाएंगे। राकांपा प्रमुख के कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस समझौते से अजित पवार के निर्विरोध रूप से एमओए का अध्यक्ष चुने जाने का रास्ता साफ हो गया तथा वह और दो साल के लिए इस पद बने रहेंगे। पवार और मोहोल, दोनों ने एमओए के अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव के वास्ते अपना नामांकन दाखिल किया था।

इस सप्ताह सोना रह सकता है सीमित दायरे में

नई दिल्ली। विश्लेषकों का कहना है कि इस हफ्ते सोने की कीमतें सीमित दायरे में रह सकती हैं, क्योंकि निवेशकों की नजर अब अहम आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत घटनाओं पर है, जिसमें पांच नवंबर को अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में होने वाली शुल्क से जुड़ी सुनवाई भी शामिल है। विश्लेषकों के अनुसार, आने वाले दिनों में निवेशक वैश्विक विनिर्माण और सेवा क्षेत्र से जुड़े पीएमआई आंकड़ों, चीन के व्यापार और वृद्धि दर के आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिका के रोजगार, उपभोक्ता भावना और मुद्रास्फीति से जुड़े संकेतकों पर भी नजर रखेंगे। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के उपाध्यक्ष (जिंस और मुद्रा शोध) प्रणव मेर ने कहा, अमेरिका के उच्चतम

न्यायालय में पांच नवंबर को होने वाली शुल्क से जुड़ी सुनवाई पर भी बाजार की नजर रहेगी। फैसले के आधार पर बाजार में तेज प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि बीते सप्ताह सोने की कीमतें लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुईं, लेकिन बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कड़े रुख और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में सकारात्मक रुख ने कीमतों पर दबाव डाला, हालांकि सुरक्षित निवेश की मांग और निवेशकों की दिलचस्पी से कुछ सहारा भी मिला। एंजल वन के शोध प्रमुख प्रथमेश माल्या ने कहा कि सोने की कीमतें हाल के उच्च स्तर 1,29,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से गिरकर 1,21,000 रुपये के आसपास आ गई हैं। यह गिरावट अमेरिका-भारत शुल्क तनाव में कमी और डॉलर के मजबूत होने की वजह से आई है। उन्होंने अनुमान जताया कि अगले सप्ताह सोने की कीमतें और गिरकर 1,18,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी की कीमत शुक्रवार को 817 रुपये बढ़कर 1,48,287 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

भारत सरकार को और अधिक सहनशील होने की जरूरत है : ब्रिटिश प्रोफेसर के निर्वासन पर थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लंदन की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से निर्वासित किए जाने के कुछ दिनों बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि भारत सरकार को अधिक सहनशील, व्यापक सोच और बड़ा दिल वाला होने की जरूरत है। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि मामूली वीजा उल्लंघन के कारण विदेशी विद्वानों और शिक्षाविदों को निर्वासन के तहत वापस भेजने के लिए हवाई अड्डे के आव्रजन काउंटर पर 'असम्मानजक रवैया' दिखाना देश को विदेशी शैक्षणिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किसी भी नकारात्मक लेख से कहीं अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। थरूर की यह टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता के एक पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने एक अखबार में प्रकाशित अपने लेख को साझा करते हुए तर्क दिया था कि वीजा शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन किसी प्रोफेसर की छात्रवृत्ति का मूल्यांकन करना उसका काम नहीं है। दासगुप्ता ने ओरसिनी विवाद वीजा निगरानीकर्ताओं के 'खतरे को दर्शाता है' शीर्षक से लिखे अपने लेख में कहा कि अब जबकि ब्रिटेन में रहने वालीं प्रतिष्ठित हिंदी विद्वान ओरसिनी को प्रवेश नहीं दिए जाने से जुड़ा हंगामा शांत हो गया है, तो इस विवाद से उत्पन्न कुछ मुद्दों पर विचार करना उचित होगा। दासगुप्ता के पोस्ट को टैग करते हुए थरूर ने कहा, ''एक बार के लिए, मैं स्वपन (55) से

सहमत हूं। मामूली वीजा उल्लंघनों के कारण विदेशी विद्वानों और शिक्षाविदों को निर्वासित करने के लिए हमारे हवाई अड्डों के आव्रजन काउंटरों पर 'अस्म्मानजनक रवैया' अपनाना एक देश, एक संस्कृति और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में हमें विदेशी अकादमिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किसी भी नकारात्मक लेख से कहीं अधिक नुकसान पहुंचा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''भारत सरकार को अधिक सहनशील, व्यापक सोच और बड़ा दिल वाला होने की जरूरत है।'' पिछले महीने कांग्रेस ने कहा था कि ओरसिनी को देश से बाहर करने का फ़ैसला आव्रजन संबंधी औपचारिकता का मामला नहीं था, बल्कि स्वतंत्र, गंभीर विचार वाले, पेशेवर विद्वता के प्रति मोदी सरकार की 'शत्रुता का प्रतीक' था। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि हिंदी की विद्वान और स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में प्रोफेसर एमेरिटा' ओरसिनी को पिछले महीने हांगकांग से आने के तुरंत बाद निर्वासित कर दिया गया था। सूत्र ने बताया कि वीजा शर्तों के उल्लंघन के कारण ओरसिनी को मार्च 2025 से 'काली सूची' में रखा गया है।

'एक्स' पर ओरसिनी के निर्वासन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने कहा, ''बिना किसी कारण के उन्हें निर्वासित करना एक ऐसी सरकार की निशानी है जो असुरक्षित, बेसुध और यहां तक कि मूर्ख है।'' उन्होंने ओरसिनी को भारतीय साहित्य की एक महान विद्वान बताते हुए कहा कि ''उनके कार्यों ने हमारी अपनी सांस्कृतिक विरासत की समझ को समृद्ध रूप से प्रकाशित किया है''।

हरियाणा दिवस व कन्नड़ राज्योत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सरजापुर हरलूर रोड स्थित हरियाणा सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में हरियाणा भवन में रविवार को हरियाणा दिवस और कर्नाटक राज्योत्सव मनाया गया जिसमें संगीत कलाकारों ने फिल्मी व देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर चेयरमैन संजय रावलवासिया, सुभाषचंद्र गोयल, सचिव राजेश अग्रवाल, सोमनाथ बंसल, राजेंद्र गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

स्टालिन नीत बैठक में एसआईआर के खिलाफ न्यायालय जाने का फैसला

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि उनकी अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल पार्टियों ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है। स्टालिन ने कहा कि चूंकि निर्वाचन आयोग ने 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद तमिलनाडु में एसआईआर कराने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया है, इसलिए उच्चतम न्यायालय का रुख करने का निर्णय लिया गया है। तमिलनाडु में अप्रैल 2026 तक विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री ने बयान में कहा, ''चूंकि निर्वाचन आयोग ने 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद पर्याप्त समय देकर बिना किसी भ्रम और संदेह के मतदाता सूची में संशोधन करने के लिए एसआईआर कराने के हमारे अनुरोध को स्वीकार नहीं किया है, इसलिए हमने आज की बैठक में उच्चतम न्यायालय का रुख करने का प्रस्ताव पारित किया।''

भारतीय वायु सेना के तांबरम और आवड़ी स्टेशन राष्ट्रव्यापी मैराथन में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के बाहरी इलाके में स्थित तांबरम और आवड़ी स्थित भारतीय वायु सेना स्टेशन, देश भर के 43 अन्य भारतीय वायु सेना स्टेशनों के साथ 2 नवंबर की सुबह सेखों भारतीय वायु सेना मैराथन का आयोजन करेंगे। यह दौड़ भारतीय वायु सेना की 93वीं वर्षगांठ समारोह के एक भाग के रूप में आयोजित की गई थी। इसका आयोजन 'दौड़ो-उड़ो-प्रेरित करो' की प्रेरक थीम के तहत किया गया था। मैराथन तीन श्रेणियों, 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी फन रन और वॉक के अंतर्गत आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य शारीरिक फिटनेस, एकता और राष्ट्र के प्रति गौरव की गहरी भावना को बढ़ावा देना था।

तांबरम वायु सेना स्टेशन पर, मैराथन को एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर कमोडोर तपन शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुल 787 वायु योद्धाओं, उनके परिवारों और सहयोगी सेवाओं, अर्धसैनिक बलों और सभी उम्र के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो भारतीय वायु सेना की समावेशी भावना को दर्शाता है। क्षेत्र के प्रतिष्ठित नेताओं और प्रतिष्ठित खिलाड़ियों ने भी मैराथन में भाग लिया, इस अभियान को अपना समर्थन दिया और अन्य प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

आवडी में, मैराथन को एयर कमोडोर प्रदीप शर्मा, एयर ऑफिसर कमांडिंग, वायु सेना स्टेशन आवडी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विजेताओं को एयर कमोडोर प्रदीप शर्मा और ग्रुप कैप्टन रचना शर्मा (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, वायु सेना परिवार कल्याण संघ (स्थानीय) द्वारा सम्मानित किया गया। कोयंबटूर के निकट तंजावुर और सुलूर स्थित वायु सेना स्टेशनों ने भी क्षेत्रीय स्तर पर मैराथन का आयोजन किया। यह मैराथन रक्षा कर्मियों और स्थानीय समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता और सामूहिक गौरव को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करती है।

सेखों इंडिया एयर फोर्स मैराथन का उद्देश्य फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों, परमवीर चक्र (पीवीसी) की अदम्य भावना का सम्मान करना था – वे 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान अपने सर्वोच्च पराक्रम के लिए देश के सर्वोच्च सैन्य सम्मान से सम्मानित होने वाले एकमात्र भारतीय वायु सेना अधिकारी थे। मैराथन का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच फिटनेस, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देना था, जो भारतीय वायु सेना की उत्कृष्टता और दृढ़ता के सिद्धांतों को दर्शाता है।

इसरो के 'बाहुबली' रॉकेट ने सबसे भारी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया

भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह का किया सफल प्रक्षेपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/श्रीहरिकोटा/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को रविवार को प्रक्षेपित किया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह है। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। इसरो के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इसरो का सीएमएस-03 उपग्रह इस अंतरिक्ष केंद्र से सफलता पूर्वक प्रक्षेपण किया गया।

बेंगलूरु मुख्यालय वाली अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने शनिवार को बताया था कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार करके अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिये कहा, एलवीएम3एम5 के प्रक्षेपण का दिन। भारत का भारी-भरकम यान रविवार शाम पांच बजकर 26 मिनट पर सीएमएस03 को प्रक्षेपित करेगा।

इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला नया प्रक्षेपण यान है और इसका उपयोग 4,000 किलोग्राम के अंतरिक्ष यान को किफायती तरीके से जीटीओ में स्थापित करने के लिए किया जाएगा। हालांकि यह दावा किया जा रहा है कि उपग्रह का इस्तेमाल सैन्य निगरानी के लिए भी किया जाएगा, लेकिन इस मामले पर इसरो की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

दो ठोस 'मोटर स्ट्रैप-ऑन' (एस200), एक द्रव प्रणोदक कोर चरण (एल110) और एक क्रायोजेनिक चरण (सी25) वाला यह तीन चरणीय प्रक्षेपण यान इसरो को जीटीओ में 4,000 किलोग्राम तक वजन वाले भारी संचार उपग्रहों को प्रक्षेपित करने में पूर्ण आत्मनिर्भरता प्रदान करता है। एलवीएम3- को इसरो के वैज्ञानिक भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) एमके3 भी कहते हैं। इसरो ने कहा कि एलवीएम3-एम5 पांचवीं अभियानगत उड़ान है। इससे पहले, अंतरिक्ष एजेंसी ने पांच दिसंबर, 2018 को एरियन-5 वीए-246 रॉकेट के जरिये फ्रेंच गुयाना के कौरू प्रक्षेपण केंद्र से अपने सबसे भारी संचार उपग्रह जीसैट-11 को प्रक्षेपित किया था। लगभग 5,854 किलोग्राम वजनी जीसैट-11 इसरो द्वारा निर्मित सबसे भारी उपग्रह है।

इसरो ने कहा कि रविवार के मिशन का उद्देश्य यह है कि बहु-बैंड संचार उपग्रह सीएमएस-03 भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। एलवीएम-3 रॉकेट ने इससे पहले चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण किया था, जिसके जरिये भारत 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बन गया। एलवीएम3 यान अपने शक्तिशाली क्रायोजेनिक चरण के साथ 4,000 किलोग्राम वजन का पेलोड जीटीओ तक तथा 8,000 किलोग्राम वजन का पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा तक ले जाने में सक्षम है।

द्रमुक में हताशा और भटकाव, तमिलनाडु के गौरव को पुनर्स्थापित करने का सही समय : प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्रमुक पार्टी के अंदर हताशा और भटकाव देखा जा सकता है। द्रमुक के नेता आए दिन जिस तरह के बयानबाजी कर रहे हैं उससे साफ झलक रहा है कि उनमें चुनाव से पहले ही हताशा है। द्रमुक द्वारा चुनाव आयोग पर ओछे हमले किए जारहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि तमिलनाडु की सभी पार्टियों को एकजुट होकर द्रमुक पार्टी की जनविरोधी गलतियों का डटकर मुकाबला करना होगा और हमारे लोगों के पवित्र अधिकारों की रक्षा करनी होगी। जब से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गरजकर कहा है कि तमिलनाडु के सपने डीएमके को बेदखल करने और इस सड़ी-गली, भ्रष्टाचार से ग्रस्त, जन-घृणा से भरी तानाशाही को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एक अटूट एआईएडीएमके-भाजपा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बनाने की मांग करते हैं, तब से मुख्यमंत्री स्टालिन पूरी तरह से दहशत में हैं। तमिलनाडु के दृढ़निश्चयी बेटे-बेटियां उम्मीद और उत्साह से भरे हुए हैं और द्रमुक को हमेशा के लिए कुचलने के लिए होने वाले चुनावों की उलटी गिनती कर रहे हैं। जबसे अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ अपने मज़बूत रिश्ते बनाए हैं, तथाकथित द्रविड़ मॉडल वाली द्रमुक ने अन्नाद्रमुक और पूर्व मुख्यमंत्री ईपीएस के खिलाफ बेशर्मी से झूठों की झड़ी लगा दी है-बेतुकी मनगढ़ंत कहानियाँ गढ़ी हैं और घिनौने बदनामी अभियान चलाए हैं। क्या यह उचित है कि द्रमुक के भ्रष्टाचार पर टिके विदेशी काले धन के साम्राज्यों को नज़रअंदाज़ किया जाए, और कोडानाड त्रासदी पर कीचड़ उछाला जाए? अन्नाद्रमुक को बदनाम करने के लिए गठबंधन सहयोगियों को उकसाना और नेताओं को खरीद-फरोख्त करके उसे तोड़ने की साज़िशें बहुत हो गईं। मुख्यमंत्री स्टालिन, ये गंदे खेल बंद करो- अपना पूरा ध्यान तमिलनाडु के रोज़मर्रा के नायकों के उत्थान पर लगाओ।

पार्टी से निष्कासित सेनगोट्टैयन ने अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी पर पलटवार किया

चेन्नई/इरोड। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता के ए सेनगोट्टैयन ने पार्टी महासचिव एडप्पादी पलानीस्वामी पर पलटवार करते हुए उन्हें असली गद्दार बताया और कोडनाड हत्याकांड पर उनकी कथित चुप्पी पर सवाल उठाया। पलानीस्वामी द्वारा 31 अक्टूबर को उनके खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई से आहत नजर आए 77 वर्षीय सेनगोट्टैयन ने तंज कसते हुए कहा कि अगर गद्दारी के लिए नोबेल पुरस्कार दिया जाना हो, तो वह पलानीस्वामी को ही मिलना चाहिए।

सेनगोट्टैयन ने निष्कासित नेताओं ओ. पन्नीरसेल्वम, दिनाकरन और उनकी (दिनाकरन की) रिश्तेदार वी. के. शशिकला से रामनाथपुरम जिले के पसुम्पोन में मुथुरामलिंगम थेवर की 118वीं जयंती और 63वीं गुरु पूजा के अवसर पर 31 अक्टूबर को मुलाकात की। वह विधानसभा चुनाव से पहले इन नेताओं को अन्नाद्रमुक में फिर से शामिल करने की वकालत कर रहे थे। इन नेताओं से एकजुटता दिखाना उन्हें भारी पड़ गया और अन्नाद्रमुक ने पार्टी गतिविधियों समेत पार्टी को बदनाम करने के लिए सेनगोट्टैयन को निष्कासित कर दिया। उन्होंने कहा कि वह पार्टी से निष्कासित किये जाने के फैसले को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए वकीलों से चर्चा करेंगे। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के महासचिव टी. टी. वी. दिनाकरन ने वरिष्ठ नेता के. ए. सेनगोट्टैयन को निष्कासित किये जाने पर अन्नाद्रमुक की आलोचना की तथा दावा किया कि प्रमुख विपक्षी दल को राजनीतिक झटका लगेगा। दिनाकरन ने कहा कि अन्नाद्रमुक महासचिव ई. के. पलानीस्वामी, वरिष्ठ नेता सेनगोट्टैयन को पार्टी से निष्कासित करने के योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी को 2026 के विधानसभा चुनाव में झटका लगना तय है। अन्नाद्रमुक से पहले ही निष्कासित हो चुके दिनाकरन ने यहां संवाददाताओं से कहा, दक्षिणी तमिलनाडु की जनता अगले साल होने वाले चुनाव में पलानीस्वामी को सबक सिखाएगी। पलानीस्वामी स्वार्थी हैं और उन्हें केवल अपने पद की चिंता है।

श्रीनिवासराज निर्विरोध टीएनसीए अध्यक्ष चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीजे श्रीनिवासराज को रविवार को यहां तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान निर्विरोध इसका अध्यक्ष चुना गया। श्रीनिवासराज पिछली समिति में कोषाध्यक्ष के पद पर थे। आर रंगराजन नए कोषाध्यक्ष होंगे और उन्हें भी निर्विरोध चुना गया।

श्रीनिवासराज संघ के अगले अध्यक्ष के रूप में डॉ. पी अशोक सिगामनि की जगह लेंगे। सिगामनि पद पर लगातार दो कार्यकाल के बाद अनिवार्य ब्रेक से गुजरेंगे। श्रीनिवासराज फ्राइट कन्सोल इंटरनेशल प्राइवेट लिमिटेड और फ्रेयर इंटरनेशल लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं जो टीएनसीए लीग में प्रथम श्रेणी की दो टीम सहित कुल पांच टीम का समर्थन करती है। फ्रेयर इंटरनेशल 2022 से टीएनसीए की महिला एकदिवसीय और टी20 प्रतियोगिताओं का प्रायोजक भी है। एम कुमारेश को भी निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना गया।

वोटिंग के बाद यू भगवानदास राव को सचिव जबकि के श्रीराम को संयुक्त सचिव चुना गया। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी और निर्वाचन अधिकारी डॉ. डी चंद्रशेखरन के मार्गदर्शन में एजीएम में हुए चुनाव में सी मारेश्वरन को संयुक्त सचिव चुना गया। नई समिति का कार्यकाल 2028 तक होगा। एजीएम के दौरान एस बालकृष्ण और यूसुफ वाई को टीएनपीएल संचालन परिषद में नामित किया गया।

कोयंबटूर और मदार जंक्शन के बीच विशेष ट्रेनें

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 06181/06182 कोयंबटूर – मदार जंक्शन (राजस्थान) – कोयंबटूर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल एक्सप्रेस विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। यह ट्रेन संख्या 06181 कोयंबटूर-मदार जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल की चार फेरे 13, 20, 27 नवंबर और 04 दिसंबर (गुरुवार) को कोयंबटूर से 02.30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 11.20 बजे मदार जंक्शन पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06182 मदार जंक्शन-कोयंबटूर साप्ताहिक स्पेशल 16 , 23 , 30 नवंबर और 07 दिसंबर, रविवार को 23.50 बजे मदार जंक्शन से रवाना होगी और चौथे दिन 08.30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी। इस ट्रेन में सात एसी थ्री टियर कोच, चार एसी थ्री टियर इकोनॉमी कोच, सात स्लीपर क्लास कोच और दो लगेज कम ब्रेक वैन होंगे।

केरल में साइबर अपराधों में शामिल पाए गए कई युवा

कोच्चि/भाषा। कोच्चि के मराडू स्थित एक राष्ट्रीय बैंक में बृहस्पतिवार को सुबह के समय सामान्य तरीके से कामकाज जारी था, तभी अचानक एक पुलिस दल बैंक में दाखिल हुआ और कॉलेज के दो छात्रों के पास पहुंचा, जो पैसे निकालने की प्रक्रिया पूरी कर रहे थे। बैंक में गहमागहमी के बीच, पुलिस अधिकारियों ने शांति से दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। बाद में पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी पूरे राज्य में चलाए जा रहे एक अभियान ऑपरेशन साइ-हंट के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, दोनों छात्र जिस धनराशि को निकाल रहे थे, वह एक बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह से जुड़ी हुई थी।

केरल पुलिस के 'साइबर ऑपरेशंस विंग' द्वारा समन्वित इस अभियान में एक ही दिन में पूरे राज्य में 1,000 से अधिक पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया था। अभियान के अंत तक 263 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 382 मामले दर्ज किए गए, और 714 स्थान पर छापे मारे गए। इसके अलावा, 125 लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए गए। घटना इस बात का संकेत है कि कानून की परवाह किए बिना धन अर्जित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

'साइबर ऑपरेशंस विंग' के अनुसार, इस अभियान के दौरान लगभग 300 करोड़ रुपये मूल्य के साइबर घोटाले का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने बताया कि इस अभियान में उन लोगों को निशाना बनाया गया, जिन्होंने ऑनलाइन नौकरी घोटाले, फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, और अन्य साइबर अपराध के माध्यम से पीड़ितों से ठगे गए पैसे को प्राप्त किया या निकाला था। इस अभियान के केंद्र में वे खाते थे, जिन्हें पुलिस म्यूल अकाउंट्स' मानती है। म्यूल अकाउंट्स ऐसे बैंक खाते होते हैं जिन्हें कमीशन के बदले साइबर अपराधियों को किराए पर दिया जाता है। इन खातों में धोखाधड़ी से अर्जित पैसे जमा किए जाते हैं, फिर चेक या एटीएम के जरिये निकालकर बिचौलियों को सौंप दिए जाते हैं।

कोच्चि पुलिस आयुक्त पी. विमलादित्य ने पीटीआई-भाषा' को बताया, कोच्चि में गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोग युवा हैं, विशेष रूप से कॉलेज के छात्र। हमने इलूर थाने में दर्ज एक मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी 21 वर्ष के हैं और अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि कई मामलों में छात्रों के खातों में बड़ी धनराशि पाई गई, और उनमें से कई को यह भी नहीं पता था कि पैसे कहां से आए। एक आरोपी ने कथित रूप से अपने साथी छात्रों के 10 बैंक खातों का नियंत्रण हासिल कर लिया था। आयुक्त ने कहा, उन्हें बताया गया था कि पैसा 'ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म' से आ रहा है। धोखेबाजों ने उन्हें पैसे के लालच में फंसाया। छात्रों की बढ़ती संलिप्तता को देखते हुए, कोच्चि पुलिस शैक्षणिक संस्थानों और रेजिडेंट्स एसोसिएशनों के माध्यम से जागरूकता अभियान शुरू करने की योजना बना रही है।

विमलादित्य ने कहा, 'हमने पाया है कि कई छात्र जानबूझकर या अनजाने में ऐसी अवैध गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। उन्हें इसके परिणामों के बारे में चेतावनी दी जाएगी।' साइबर ऑपरेशंस विंग ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार लोगों में वे भी शामिल हैं, जो संगठित वित्तीय धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े थे और जिन्होंने या तो ठगे गए पैसे निकाले या अपने बैंक खाते कमीशन पर किराये पर दिए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर ऑपरेशंस) एस. श्रीजीत ने कहा कि ऑपरेशन 'साइ-हंट' राज्य की साइबर पुलिसिंग में एक सक्रिय बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा, आमतौर पर पुलिस जांच तब शुरू होती है जब शिकायत प्राप्त होती है, लेकिन इस बार हमने तब कार्रवाई की जब पीड़ितों को यह भी पता नहीं था कि वे ठगे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई उन संदिग्ध बैंक खातों की निगरानी के बाद की गई जिन्हें राष्ट्रीय साइबर पोर्टल ने चिह्नित किया था।

तीन मेडिकल छात्र कन्नूर तट पर डूबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर /भाषा। उत्तरी कन्नूर जिले के पय्यम्बलम समुद्र तट के पास रविवार को समुद्र में नहाते समय डूबने से तीन मेडिकल छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान अफनान, रहानुद्दीन और अफरास के रूप में हुई है। ये सभी कर्नाटक के मूल निवासी थे और बेंगलूरु में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे। इसने बताया कि यह घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई जब आठ छात्रों का एक समूह तैरने के लिए समुद्र में उतरा। पुलिस ने कहा कि उनमें से तीन छात्र तेज लहरों में फंस गए जिन्हें बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

द्रमुक चुनावी फायदे के लिए एसआईआर मुद्दे का कर रही इस्तेमाल : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को सत्तारूढ़ द्रमुक पर चुनावी लाभ के लिए एसआईआर मुद्दे का इस्तेमाल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। विजय ने आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अपने शासन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों से तमिलनाडु के लोगों का ध्यान हटाने के लिए एसआईआर मुद्दे पर नौटंकी कर रही है।

विजय ने कहा कि हालांकि उनकी पार्टी का मानना ङ्कङ्क है कि विपक्षी दलों को लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए इस मुद्दे पर एक साथ आना चाहिए्। उन्होंने कहा कि टीवीके का मानना है कि द्रमुक एसआईआर मुद्दे का इस्तेमाल ''केवल वोट के लिए'' कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि एसआईआर का कड़ा विरोध करने का दावा करने वाली द्रमुक ने विधानसभा में एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया, जबकि केरल ने ऐसा किया। तमिलनाडु में अप्रैल 2026 तक विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी पर खुद को लोकतांत्रिक अधिकारों के एकमात्र संरक्षक के रूप में पेश करने के नाटक के लिए निशाना साधा और कहा कि यह धोखे के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि टीवीके एसआईआर के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए संगोष्ठी और विशेष शिविर आयोजित करेगी।

सबरीमला तीर्थयात्रा मार्गों की मरम्मत के लिए 377.8 करोड़ रुपए मंजूर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। सबरीमला में वार्षिक मंडलम-मकरविलक्कु तीर्थयात्रा के कुछ ही दिनों में शुरू होने के बीच केरल सरकार ने कहा है कि उसने अयप्पा भक्तों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न सड़कों की मरम्मत के लिए 377.8 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

राज्य के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल ने रविवार को बताया कि यह राशि 10 जिलों में 82 सड़कों के लिए आवंटित की गई है। उन्होंने एक बयान में कहा कि तिरुवनंतपुरम में 14 सड़कों के लिए 68.90 करोड़ रुपये और कोल्लम में 15 सड़कों के नवीनीकरण के लिए 54.20 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जबकि पथनमथिट्टा में छह सड़कों की मरम्मत के लिए 40.20 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। यह पहाड़ी मंदिर पथनमथिट्टा में स्थित है। मंत्री के अनुसार, अलप्पुझा में नौ सड़कों के लिए 36 करोड़ रुपये, कोट्टायम में आठ सड़कों के लिए 35.20 करोड़ रुपये, इडुक्की में पांच सड़कों के लिए 35.10 करोड़ रुपये, एर्णाकुलम में आठ सड़कों के लिए 32.42 करोड़ रुपये, त्रिशूर में 11 सड़कों के लिए 44 करोड़ रुपये, पलक्कड़ में पांच सड़कों के लिए 27.30 करोड़ रुपये और मलप्पुरम में एक सड़क के लिए 4.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस वर्ष 16 नवंबर से शुरू होने वाली तीर्थयात्रा के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के सबरीमला पहुंचने की उम्मीद है।

सवारी डिब्बा कारखाना

रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)

निम्नलिखित रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) स.डि.का. की वेबसाइट में प्रकाशित की गई है। पात्रता तथा अन्य नियम एवं शर्तों के बारे में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट https://icf.indianrailways.gov.in/->निविदा सूचना-> रुचि की अभिव्यक्ति को देखें।

क्र. सं.	ईओआई सं.	कार्य का नाम	जमा करने की तिथि
01	आरईओआई/क्रैशवर्थी एनालायसिज् वीबी स्लीपर/2025	ईएन 15227 के अनुसार वीबी स्लीपर हेतु क्रैशवर्थी विश्लेषण सिमुलेशन्स	21.11.2025 को 15.00 बजे तक

सवारी डिब्बा कारखाना

रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)

निम्नलिखित रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) स.डि.का. की वेबसाइट में प्रकाशित की गई है। पात्रता तथा अन्य नियम एवं शर्तों के बारे में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट https://icf.indianrailways.gov.in/->निविदा सूचना-> रुचि की अभिव्यक्ति को देखें।

क्र. सं.	ईओआई सं.	कार्य का नाम	जमा करने की तिथि
01	आरईओआई/इंटीरियर्स वीबी स्लीपर/2025	वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट की इंटीरियर डिज़ाइन हेतु परामर्शी सेवाएँ	21.11.2025 को 15.00 बजे तक

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में राजस्थान बन रहा अग्रणी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का वो मजबूत स्तम्भ है जो समाज में न्याय और समानता की अलख जगाता है। सशक्त न्याय व्यवस्था से ही नागरिकों में सुरक्षा का भाव आता है। उन्होंने कहा कि देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों ने न्याय की परिभाषा को बदलने का काम किया है। प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आई है और आने वाले समय में देश में अग्रणी राज्य होगा।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से जोधपुर में आयोजित बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के लिए नवनिर्मित भवन लोकतंत्र को और भी मजबूत करने का काम करेगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह भवन वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही, भविष्य की पीढ़ियों को भी मार्गदर्शन देगा।

जिला स्तर पर नई अदालतों का सृजन, नए जजों की नियुक्ति

शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। हर व्यक्ति न्याय की आस लेकर कोर्ट-कचहरी में आता है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सुलभ न्याय मिलने से ही विकास की यात्रा पूरा हो सकेगी। न्यायपूर्णता के साथ ही, विकास सार्थक होता है। बार कौंसिल आमजन की न्याय की आकांक्षाओं को पूरी करने का एक माध्यम है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आवश्यकता अनुसार जिला स्तर पर नई अदालतों का सृजन कर रही है। साथ ही नए जजों की नियुक्ति भी तीव्र गति से की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता के हित के कार्य हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिवक्ता कल्याण एवं बार कौंसिल के सुदृढ़ीकरण में सहयोग के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से तैयार है।

लोगों का विश्वास न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता समाज के शिल्पकार होने के साथ ही न्याय व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जिनकी तर्कशक्ति, आपका ज्ञान और आपकी प्रतिबद्धता ही न्याय का आधार है। अधिवक्ता लोगो के भरोसे के जीत की प्रतिमूर्ति हैं। लोगों का यह विश्वास और आस्था ही हमारी न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है और जनता के इस विश्वास को मजबूत करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

ऊर्जा विभाग की सक्रिय भूमिका से राज्य बना देश का अग्रणी 'ग्रीन एनर्जी हब'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में देश में अग्रणी है। इस दिशा में 30 एवं 31 अक्टूबर को चेन्नई में आयोजित विंडर्जी इंडिया 2025 सम्मेलन में राज्य को एक्सीलेंस इन विंड एंड हाइब्रिड पॉलिसी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने राजस्थान सरकार एवं राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड को यह सम्मान प्रदान किया । राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की और से यह पुरस्कार जनरल मैनेजर राजीव सिंह ने ग्रहण किया।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा उत्पादन में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह पुरस्कार राज्य सरकार की नीतियों और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर हो रही प्रगति का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य की निवेशक-हितैषी नीतियाँ और ऊर्जा विभाग की सक्रिय भूमिका ने राजस्थान को देश का अग्रणी 'ग्रीन एनर्जी हब' बनाया है। राज्य सरकार का उद्देश्य राज्य को हरित ऊर्जा निवेश और उत्पादन का वैश्विक केन्द्र बनाना है, जिससे रोजगार, नवाचार और तकनीकी नेतृत्व के नए अवसर सृजित हों और राज्य देश के एनर्जी ट्रांजिशन में पथ-प्रदर्शक की भूमिका निभाए।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने बताया कि इंडियन विंड टरबाइन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस सम्मलेन में देश-विदेश के ऊर्जा विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राजस्थान को यह पुरस्कार पवन और हाइब्रिड ऊर्जा क्षेत्र में लागू की गई दूरदर्शी नीतियों, निवेशक-अनुकूल वातावरण, तथा सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया है।

कोटा दुर्घटना:

लोकसभा अध्यक्ष ने अस्पताल का दौरा किया, घायल बच्चों के परिवारों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को जिले के इटावा क्षेत्र के पास एक दुर्घटना में घायल हुए बच्चों के परिवारों से मुलाकात की।

शनिवार सुबह एक निजी स्कूल वैन और एसयूवी के बीच हुई टक्कर में दो छात्राओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

बिरला ने कोटा के जिलाधिकारी पीयूष समारिया, कोटा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. संगीता सक्सेना और भाजपा नगर अध्यक्ष राकेश जैन के साथ एमबीएस अस्पताल में घायल बच्चों और उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत की।

समारिया ने संवाददाताओं को बताया कि अस्पताल के डॉक्टरों ने लोकसभा अध्यक्ष को घायल छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घायलों को जल्द ही छुट्टी मिलने की उम्मीद है।

तीन छात्र और एक चालक अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि एक लड़की को शनिवार शाम छुट्टी दे दी गई।

डॉ. सक्सेना ने बताया कि एक अन्य लड़के के माता-पिता उसे एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी सफलतापूर्वक सर्जरी हुई।

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के कई इलाकों में नए मौसमी तंत्र के असर से बारिश होने का अनुमान है।

मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार सोमवार से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर एवं कोटा संभाग के कुछ भागों में तीन-चार नवंबर को बादल गरजने के साथ हल्की-मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान बीकानेर संभाग के क्षेत्रों में भी आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम केंद्र ने बताया कि राज्य के अधिकतर भागों में पांच नवंबर से आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में दो सो चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने की संभावना है।

रविवार सुबह तक के पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। इस दौरान चित्तौड़गढ़ में केवल एक स्थान पर एक मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजस्थान में अधिकतम तापमान बाड़मेर में (35.9 डिग्री सेल्सियस) जबकि न्यूनतम तापमान नागौर में (12.5 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया गया।

राजस्थान में निजी स्लीपर बसों की हड़ताल से यात्री हुए परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में शादी विवाह के सीजन से ठीक पहले निजी स्लीपर बसों की हड़ताल से हजारों यात्री परेशान हुए हैं। राज्य में निजी बस ऑपरेटर ने शनिवार को अपनी स्लीपर बसें नहीं चलाईं। इन आपरेटर ने जैसलमेर बस अग्निकांड के बाद परिवहन विभाग की ऐसी बसों के खिलाफ हालिया कार्रवाई के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की है।

बस आपरेटर का दावा है कि स्लीपर बसों के नहीं चलने से राज्य भर में हज़ारों यात्री प्रभावित हुए हैं, लोग बस अड्डों व राजमार्गों पर फंस गए। हालांकि ऐसी बसों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग बंद कर दी गई हैं, लेकिन ऐसी खबरें भी सामने आईं कि कुछ बसें अब भी चल रही हैं और यात्रियों से सामान्य से छह गुना अधिक तक किराया वसूला जा रहा है।

इस हड़ताल की घोषणा ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने की। इसने परिवहन अधिकारियों पर डिजाइन या परमिट संबंधी समस्याओं वाली बसों के खिलाफ मनमानीपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। इनका आरोप है कि अधिकारियों ने कथित तौर पर चालान जारी किए हैं और कई वाहनों, खासकर राज्य के बाहर पंजीकृत वाहनों को जब्त कर लिया है। हालांकि रोडवेज बसें हड़ताल में शामिल नहीं हैं। जयपुर स्थित निजी बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा ने कहा, सुरक्षा के लिहाज से परिवहन विभाग की कार्रवाई जायज है, इसलिए स्टेट कैरिज बसें हड़ताल में शामिल नहीं हैं।

अन्य संगठनों ने हड़ताल के आगे और बढ़ने की आशंका जतायी है। ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि शादियों से जुड़ी भीड़ कम होने के बाद स्टेट कैरिज ऑपरेटर दो दिन में हड़ताल में शामिल हो सकते हैं।

राजस्थान बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने कहा कि तीन नवंबर से व्यापक हड़ताल की संभावना है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से आंदोलनकारी ऑपरेटर से बातचीत करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, उन्हें बातचीत के लिए बुलाया जाना चाहिए और धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनी जानी चाहिए। समय पर संवाद से इस स्थिति से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यवधानों को रोकने के लिए शासन को जिम्मेदारी और त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है।

इस महीने की शुरुआत में जैसलमेर में एक स्लीपर बस में आग लगने से कई लोग जिंदा जल गए थे। बस में आग एसी में शॉर्ट सर्किट होने के कारण लगी थी। बस में कोई आपातकालीन निकासी द्वार नहीं था। घटना के बाद, परिवहन विभाग ने अवैध मॉडिफिकेशन और परमिट मानदंडों के उल्लंघन के खिलाफ गहन जांच अभियान शुरू किया।

7.63 लाख किसानों के लिए कृषि आदान-अनुदान स्वीकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान सरकार ने खरीफ फसल वर्ष 2025 के दौरान अतिवृष्टि से प्रभावित 7.63 लाख किसानों के लिए कृषि आदान अनुदान स्वीकृत किया है।

आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को यह राहत दी है।

इस निर्णय के अनुसार अतिवृष्टि से 33 प्रतिशत से अधिक फसल नुकसान होने पर छह जिलों की 43 तहसीलों के 3777 गांव गिरदावरी आकलन के आधार पर आपदा प्रभावित घोषित किए गए हैं। इसके अनुसार इन 3777 गांवों में लगभग 7.63 लाख किसानों को आपदा राहत कोष से कृषि आदान अनुदान वितरण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है।

बयान के अनुसार इन 3777 गांवों में झालावाड़ के 1597, धौलपुर के 42, बूंदी के 534, भरतपुर के 349, डीग के 58 और टोंक के 1197 गांव शामिल हैं। बयान के अनुसार बाकी जिलों में फसल नुकसान की अंतिम रपट तैयार की जा रही है और रपट मिलते ही अन्य जिलों की स्वीकृतियां भी जारी की जाएंगी।

जोधपुर में नकली घी का भंडाफोड़

जोधपुर। शहर की मंडोर मंडी में शुक्रवार को पुलिस ने नकली घी के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम और महामंदिर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक दुकान को सीज किया गया है। बताया जा रहा है कि मौके से लगभग 37 टीन नकली घी के बरामद किए गए हैं। फिलहाल खाद्य सुरक्षा विभाग के निरीक्षक (फूड इंस्पेक्टर) के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है ताकि बरामद घी की जांच की जा सके। जानकारी के अनुसार, सीएसटी टीम को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि मंडोर मंडी क्षेत्र में कुछ दुकानदार नकली घी की सप्लाई कर रहे हैं। इस पर शुक्रवार को टीम ने महामंदिर थाना पुलिस के साथ मिलकर छापा मारा. जांच के दौरान एक दुकान में बड़ी मात्रा में संदिग्ध घी के टीन पाए गए।

गौ संरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत रविवार को राजसमंद दौरे पर रहे। उन्होंने कांकरोली में आयोजित कुमावत समाज के द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में शिरकत की और इसके पश्चात नाथद्वारा के लिए प्रस्थान किया।

वे नाथद्वारा के ग्राम राबचा स्थित आदेश गौशाला पहुंचे। श्री कुमावत ने गौशाला का निरीक्षण कर वहां की हाईटेक व्यवस्थाओं और गोसेवा के नवाचारों की सराहना की।

कुमावत दोपहर 12:30 बजे गौशाला पहुंचे, जहां मुख्य प्रबंधक प्रमोद पालीवाल के नेतृत्व में ग्वालबालों एवं गोशाला टीम ने मेवाड़ी परंपरा के अनुरूप पगड़ी, इकलाई पहनाकर, श्रीजी प्रभु की छवि एवं प्रसाद भेंट कर स्वागत किया। गौशाला प्रबंधन ने मंत्री को अवगत कराया कि मिराज समूह के सीएमडी मदन पालीवाल ने गौ सेवा का संकल्प लेकर राबचा में इस गौशाला की स्थापना की थी। तब से अब तक यहां गौमाताओं की सेवा और संरक्षण कार्य किया जा रहा है।

मंत्री कुमावत ने कहा कि जो व्यक्ति गाय की सेवा करता है, उसे तैंतीस कोटी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि गायों को सड़कों पर या कचरा खाने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए। सभी नागरिकों को गौमाता को परिवार के सदस्य की तरह सहेजने और संरक्षण करने की आवश्यकता है।

मंत्री ने गौशाला परिसर का विस्तृत भ्रमण करते हुए गौमाताओं की पूजा कर उन्हें गुड़-लापसी खिलाई। उन्होंने गौशाला में संचालित सीएनजी गैस, जैविक खाद, गौमूत्र अर्क, घी और मिठाइयों के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। मंत्री ने कहा कि आदेश गौशाला जैसी व्यवस्थाएं राज्य की अन्य गौशालाओं में भी लागू की जाएंगी, ताकि गोसेवा में तकनीकी और आधुनिकता का समावेश हो।

13 अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गयी

जयपुर/भाषा। राजस्थान सरकार ने राजकीय कार्यों में भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनुशासनहीनता के प्रति अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत आठ मामलों में 13 अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। इसके तहत जल जीवन मिशन में अनियमितताओं के लिए तीन अभियंताओं के खिलाफ जांच का पूर्वानुमोदन किया गया है। बयान के अनुसार राजकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करते हुए राज्य सरकार भ्रष्ट, लापरवाह और अनुशासनहीन कर्मचारियों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के खिलाफ आठ प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 13 कर्मचारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की हैं। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17-ए के अंतर्गत जल जीवन मिशन की निविदाओं में गड़बड़ी के एक प्रकरण में तीन अभियंताओं के विरूद्ध विस्तृत जांच करने का पूर्वानुमोदन किया है। साथ ही, सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के दो प्रकरणों में वार्षिक वेतन वृद्धियां रोकने के दण्ड से दण्डित भी किया गया है।

सम्मान

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को अन्तरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में दीपावली सजावट में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिष्ठानो को सम्मानित किया। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान कहा कि वैश्य समाज नहीं संस्कृति है। राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में वैश्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने व्यावसायिक संस्थानों को सार्वजनिक सरोकार रखते हुए परोपकार के कार्यों में भी निरंतर सहयोग करने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे ने स्वदेशी उत्पादों को उपयोग में लेने, 'आत्म निर्भर' भारत के लिए काम करने पर जोर दिया। उन्होंने दीपावली को उजाले का पर्व बताते हुए कहा कि घर, परिवार और समाज में उमंग और उत्साह के लिए सब मिलकर कार्य करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने पटना में 'रोडशो' किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार शाम यहां एक 'रोडशो' का नेतृत्व किया। मोदी ने केंद्रीय मंत्री और जद (यू) नेता राजीव रंजन सिंह 'ललन', प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद के साथ दिनकर गोलंबर से रोडशो शुरू किया। प्रधानमंत्री ने अपने वाहन से शहर की सड़कों से गुजरते समय सड़क के दोनों ओर और इमारतों के ऊपर खड़े लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने राज्य के दौरे पर आए मोदी की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए।

रोडशो नाला रोड, ठाकुरवाड़ी और बाकरगंज होते हुए गांधी मैदान के निकट उद्योग भवन के पास समाप्त होगा। रोडशो के बाद प्रधानमंत्री पटना साहिब गुरुद्वारा जाएंगे। मोदी ने पिछले साल लोस चुनाव के दौरान पटना में इसी तरह का रोड शो किया था और साल की शुरुआत में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी ऐसा रोड शो किया था।

लालू के बेटे की सरकार बनी तो हत्या, अपहरण और रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर(बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर उनके बेटे को सत्ता मिली तो बिहार में ''हत्या, अपहरण और रंगदारी'' के तीन नए मंत्रालय बनाए जाएंगे।

मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बरकरार रही तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया जाएगा। शाह ने कहा, ''अगर राजग की सत्ता बरकरार रहती है तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा। बाढ़ नियंत्रण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाएगा।'' उन्होंने जनता से अपील की कि वे राजग को वोट देकर राजद शासन के दौरान देखे गए ''जंगलराज की पुनरावृत्ति'' को रोकें। शाह ने कहा, ''अगर लालू जी के बेटे (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बने, तो बिहार में तीन नए मंत्रालय बनेंगे–एक हत्या के लिए, दूसरा अपहरण के लिए और तीसरा रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ फिर से जंगलराज लाने की कोशिश हो रही है।'' गृह मंत्री ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ''दोनों अपने–अपने बेटों को बिहार का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, जबकि दोनों पद खाली नहीं हैं।'' शाह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त बनाया है और उन्होंने अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं।'' दूसरी सभा में शाह ने कहा, ''राजद शासन में अपहरण, हत्या और अत्याचार की घटनाएं आम थीं। मतदाता इस बार वोट देकर उस दौर की वापसी को रोकें।'' उन्होंने कहा, ''अगर लालू जी के बेटे मुख्यमंत्री बने तो बिहार में तीन नए विभाग बनेंगे–हत्या, अपहरण और रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ जंगलराज वापस लाने की कोशिश हो रही है।'' शाह ने कहा कि ''महागठबंधन'' के घटक दलों में अंदरूनी कलह चल रही है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त बनाया है और अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं।''

दुलार चंद यादव हत्याकांड में पूर्व विधायक अनंत सिंह सहित तीन लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मोकामा विधानसभा क्षेत्र से जनता दल (यूनाइटेड)–जद (यू) के उम्मीदवार एवं पूर्व विधायक अनंत सिंह को जन सुराज समर्थक दुलार चंद यादव की हत्या के मामले में रविवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में दो अन्य व्यक्तियों मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को भी गिरफ्तार किया गया है। राजधानी पटना से करीब 200 किलोमीटर दूर बाढ़ स्थित आवास से अनंत सिंह को हिरासत में ले लिया गया। तीनों आरोपियों को दिन में अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, यादव की हत्या बृहस्पतिवार को पटना जिले के मोकामा क्षेत्र में हुई थी, जब वह जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। यह घटना भदौर और घोसवरी थाना क्षेत्रों के बीच हुई थी।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा ने शनिवार देर रात जिलाधिकारी एस एम थायागराजन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बताया, ''पुलिस ने दुलार चंद यादव की हत्या के मामले में तीन लोगों – अनंत सिंह, मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को गिरफ्तार किया है।'' उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि यादव की मौत हृदय और फेफड़ों पर किसी कठोर और भारी वस्तु से प्रहार के कारण हुए शॉक से कार्डियोरेस्पिरेटरी फेल्योर के कारण हुई। एसएसपी ने कहा, ''इस आधार पर जांच से यह साबित होता है कि यह हत्या का मामला है।'' उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में तीनों आरोपियों की मौजूदगी घटना स्थल पर पाई गई है।

उन्होंने कहा, हत्या की जांच के लिए चार प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। जिनमें एक आदर्श आचार संहिता उल्लंघन से संबंधित है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक प्राथमिकी में अनंत सिंह का नाम भी शामिल है। कई आपराधिक मामलों में नामजद और स्थानीय दबंग' माने जाने वाले अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी फिलहाल मोकामा से विधायक हैं। अनंत सिंह पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का भी मामला दर्ज किया गया है, क्योंकि उनके काफिले में बड़ी संख्या में वाहनों के चलने की शिकायतें मिली थीं। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए अनंत सिंह ने पहले माना था कि उनके समर्थकों और मृतक के बीच झड़प हुई थी, लेकिन उन्होंने इसका ठीकरा अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी सूरजभान सिंह पर फोड़ा, जिनकी पत्नी वीणा देवी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की प्रत्याशी हैं।

दुलार चंद यादव, 1990 के दशक के कुख्यात अपराधी माने जाते थे और अनंत सिंह के प्रतिद्वंद्वी माने जाते थे। वह प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी से जुड़े पीयूष प्रियदर्शी का समर्थन कर रहे थे। राजद नेता और 'इंडि' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''यह कार्रवाई पहले ही हो जानी चाहिए थी। बिहार में हर दिन हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं, यही तो असली जंगलराज है। आज प्रधानमंत्री चुनाव प्रचार के लिए बिहार आ रहे हैं, लेकिन उन्हें यह सब नजर नहीं आता।'' इस घटना को गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन आयोग ने शनिवार को पटना के ग्रामीण क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग का तबादला करने और तीन अन्य अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। निर्वाचन आयोग ने कहा, पटना (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग को तत्काल स्थानांतरित किया जाए और उनके स्थान पर नए अधिकारी की तैनाती के लिए पैनल भेजा जाए।

शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से संपन्न होंगे बिहार के विधानसभा चुनाव : ज्ञानेश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव कानून–व्यवस्था के दायरे में पूरी तरह शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न होंगे।

कुमार ने कहा, निर्वाचन आयोग चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। बिहार में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न होंगे तथा सभी मतदाताओं को लोकतंत्र का उत्सव मनाने का अवसर मिलेगा। मतदान कानून–व्यवस्था के दायरे में होगा। उन्होंने कहा, किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी मतदाता शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से अपना वोट डाल सकेंगे। निर्वाचन आयोग इसके लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि निर्वाचन आयोग के लिए कोई पक्ष या विपक्ष नहीं है। हमारे लिये सभी 'समकक्ष' हैं। उन्होंने कहा, हमारे 243 पीठासीन अधिकारी, इतनी ही संख्या में पर्यवेक्षक, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, पुलिस पर्यवेक्षक और व्यय पर्यवेक्षक सभी तैयार हैं। मुझे विश्वास है कि बिहार के चुनाव न केवल पारदर्शिता, क्षमता, सादगी और लोकतंत्र की उत्सवपूर्ण भावना के साथ होंगे बल्कि पूरी दुनिया के लिए आदर्श स्थापित करेंगे। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए इसी माह छह और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

तेजस्वी को सरकार बनाने का भरोसा, शपथ ग्रहण की तारीख भी बताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए 'इंडि' गठबंधन के उम्मीदवार एवं राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने रविवार को दावा किया कि विस चुनाव के बाद विपक्षी गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाएगा तथा चुनाव परिणाम आने के 4 दिन बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। तेजस्वी ने कहा, ''चौदह नवम्बर को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे और 18 नवम्बर को (इंडि गठबंधन सरकार का) शपथ ग्रहण होगा।'' उन्होंने यह टिप्पणी पूर्व विधायक अनंत सिंह की गिरफ्तारी को लेकर की। सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार हैं और उनपर जन सुराज समर्थक दुलार चंद यादव की हत्या के मामले में कार्रवाई हुई है।

तेजस्वी ने कहा, इतनी गंभीर घटना हुई थी, इसलिए यह होना ही था। आज प्रधानमंत्री बिहार आ रहे हैं। उन्हें यह देखना चाहिए कि राज्य में शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो जब कोई जघन्य अपराध न होता हो, लेकिन जैसे ही महागठबंधन की सरकार बनेगी, यह सब बदल जाएगा। उन्होंने कहा, चौदह नवम्बर को परिणाम आएंगे और 18 नवम्बर को शपथ ग्रहण होगा।

नीतीश को बिहार की जनता से ज्यादा 'कुर्सी' से प्यार : पायलट

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को आरोप लगाया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्य की जनता से ज्यादा ''सत्ता और कुर्सी'' से प्यार है। पटना में संवाददाताओं से बातचीत में पायलट ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद, बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''बैसाखियां'' छीन ली जाएंगी। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में '400 पार' का दावा किया था, लेकिन 250 सीटें भी नहीं ला पाई। केंद्र में सरकार बनाने के लिए उसे बिहार और आंध्र प्रदेश की बैसाखियों पर निर्भर रहना पड़ा।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के सामने ''बेबस'' हो चुके हैं।

उन्होंने कहा, ''यह वही नीतीश कुमार हैं, जिन्होंने एक समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डीएनए पर सवाल उठाए जाने के बाद सैकड़ों बिहारवासियों के काटे हुए नाखून उन्हें कुरियर से भेजे थे। लेकिन अब कुर्सी से मोह ने उन्हें असहाय बना दिया है।'' राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के ''डबल इंजन'' दावे पर हमला करते हुए पायलट ने कहा कि ''यह डबल इंजन हर मोर्चे पर फेल हो गया है।'' प्रधानमंत्री मोदी के रविवार को बिहार में रोड शो को लेकर पायलट ने सवाल किया, मोदी जी बिहार आ रहे हैं, लेकिन बताइए, उन्होंने 1.25 लाख करोड़ रुपए के विशेष पैकेज, निवेश लाने, रोजगार सृजन करने और किसानों की आय दोगुनी करने के कितने वादे पूरे किए? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जिन सड़कों से गुजरेंगे, उन सड़कों पर बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर लाठियां बरसाई गई थीं।

वाराणसी के सौंदर्यीकरण के लिये विभिन्न चौराहों पर स्थापित की गयीं अनूठी कलाकृतियां

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में बनारस लोकोमोटिव वर्कर्स (बीएलडब्ल्यू) और वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के संयुक्त प्रयास से शहर के सौंदर्यीकरण की दिशा में अनूठी पहल के तहत विभिन्न चौराहों और स्थानों पर अनूठी कलाकृतियां स्थापित की गयी हैं। बीएलडब्ल्यू के जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने रविवार को बताया कि वाराणसी में लगभग 100 टन कबाड़ से कलाकृतियां बना कर विभिन्न चौराहों पर लगायी गयी हैं। ये सभी कलाकृतियां वाराणसी विकास प्राधिकरण और बीएलडब्ल्यू के सहयोग से ललित कला के विद्यार्थियों द्वारा बनायी गयी हैं और इन्हें वाराणसी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए लगाया गया है।

उन्होंने बताया कि वाराणसी कैंट स्टेशन पर नंदी की कलाकृति लगाई गयी है, जो पर्यटकों और शहर वासियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इसी कड़ी में नदेसर क्षेत्र में भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक नृत्य शैलियों को दर्शाने वाली नौ प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही हैं।

कुमार ने बताया कि ये कलाकृतियां न केवल शहर के सौंदर्य को बढ़ा रही हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता और विरासत को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। ये मूर्तियां कबाड़ सामग्री से तैयार की गई हैं, जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं। उन्होंने बताया कि यह पहल दर्शाती है कि अनुपयोगी समझी जाने वाली वस्तुओं को रचनात्मकता के साथ उपयोगी और आकर्षक बनाया जा सकता है। पत्थर, फाइबर और धातुओं से बनी कलाकृतियां पर्यटकों को काशी और भारत के सांस्कृतिक संगम से रूबरू कराएंगी।

एसआईआर की घोषणा के बाद भारत छोड़ने की कोशिश कर रहे 48 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में कम से कम 48 बांग्लादेशी घुसपैठियों को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया, जब वे उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट सीमा क्षेत्र से अवैध रूप से दूसरे देश में जाने की कोशिश कर रहे थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के बाद ये घुसपैठिए भारत छोड़ने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि रविवार को बीएसएफ ने 33 बांग्लादेशियों को पकड़कर स्वरूपनगर पुलिस थाने को सौंप दिया जबकि शनिवार रात 15 अन्य को गिरफ्तार किया गया।

बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में घरेलू सहायकों व दिहाड़ी मजदूरों के तौर पर काम करते थे। उन्होंने कहा कि एसआईआर की घोषणा के बाद हिरासत में लिए जाने या निर्वासित किए जाने के ''डर से'' वे अपने देश लौटने की कोशिश कर रहे थे। एसआईआर के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं के विवरण की पुष्टि के लिए घर–घर जाकर संपर्क करते हैं।

'बेंच और बार' के बेहतरीन तालमेल से ही आगे बढ़ सकता है कानून का राज : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून के राज के लिए बेंच और बार' के बीच तालमेल के महत्व पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि 'कानून का शासन' इन दोनों संस्थाओं में निहित विवेक और संवेदना के बेहतरीन समन्वय से ही आगे बढ़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि के चौथे दीक्षांत समारोह में कहा कि कानून का राज बेंच और बार' के बेहतरीन समन्वय से ही आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, जब हम बेंच की बात करते हैं तो यह सामान्य रूप से एक आम मानविकी के विवेक का प्रतीक है और बार हम सब की संवेदना का प्रतीक है। इस विवेक और संवेदना में जब समन्वय होता है, तब हम 'कानून के शासन' की परिकल्पना को सरकार और मूर्त रूप में देख पाते हैं। कार्यक्रम में देश के भावी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली भी मौजूद थे। आदित्यनाथ ने 'बार और बेंच' की सुविधा के लिए राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों का जिक्र करते हुए कहा, बार और बेंच में बेहतर समन्वय हो, इसके लिए हमलोगों ने उत्तर प्रदेश में एकीकृत अदालत परिसर बनाना प्रारंभ किये हैं। हमने 10 जनपदों के लिए एक साथ धनराशि भी जारी की है। इसमें एक ही परिसर में जिला स्तर की सभी अदालतें होंगी। परिसर में आवास और अन्य हर प्रकार की जरूरी सुविधा भी उसी परिसर में हम लोगों ने प्रारंभ की है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था का खास योगदान है और मैं हमेशा इस बात को मानता हूं कि न्यायिक व्यवस्था जितनी मजबूत होगी सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में उतनी ही आसानी होगी।'' सुशासन को प्राचीन काल में राम राज्य' कहते थे, अर्थात् एक ऐसी शासन व्यवस्था, जहां पर किसी भी प्रकार के भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं था। मुख्यमंत्री ने ई–कोर्ट प्रणाली, वैकल्पिक वाद निस्तारण और साइबर कानून जैसे नये क्षेत्रों तथा न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''इलाहाबाद उच्च न्यायालय आज अपने सुदृढ़ मूलभूत ढांचे के लिए जाना जाता है। प्रदेश में खासतौर पर महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों की स्थिति में त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी पैरवी करने और महिलाओं से जुड़े मामलों में 380 से अधिक पॉक्सो और त्वरित अदालतों के गठन की कार्यवाही को भी राज्य सरकार ने आगे बढ़ाने में मदद की है।''

पुस्तकालय प्रामाणिक जानकारी पाने में मदद करते हैं : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि पुस्तकालय आज के डिजिटल युग में ज्ञान के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं जो लोगों को प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करने और गलत सूचनाओं का सामना करने में सक्षम बनाते हैं।

राधाकृष्णन ने कहा कि तकनीक जहां सूचना तक आसान पहुंच प्रदान करती है, वहीं पुस्तकालय समाज में गहराई, चिंतन और सार्थक संवाद को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने पुस्तकालयों को शिक्षा का मंदिर बताया और उन्हें ऐसे स्थान की संज्ञा दी जो आलोचनात्मक सोच को पोषित करते हैं और व्यक्तियों एवं समुदायों को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने पुस्तकालय समुदायों को सशक्त बनाते हैं – वैश्विक परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए अपने वीडियो संदेश में ये बातें कहीं। इसका आयोजन तिरुवनंतपुरम में पी. एन. पणिक्कर फाउंडेशन द्वारा किया गया था। यह कार्यक्रम केरल में संगठित पुस्तकालय आंदोलन के 80 वर्ष होने के अवसर पर मनाया जा रहा है।

मुर्मू ने राष्ट्रपति निकेतन में फुट ओवर ब्रिज और घुड़सवारी क्षेत्र का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को यहां राष्ट्रपति निकेतन में दो नई सुविधाओं– पैदल पार पुल (फुट ओवर ब्रिज) और घुड़सवारी क्षेत्र का लोकार्पण किया। राजपुर रोड पर बने 105 फुट लंबे पैदल पार पुल ने अब राष्ट्रपति निकेतन और 132 एकड़ में बन रहे राष्ट्रपति उद्यान के बीच निर्बाध संपर्क स्थापित कर दिया है। यह पुल व्यस्त सड़क पर पैदल यात्रियों के लिए एक सुरक्षित विकल्प बन गया है।

उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग द्वारा नौ करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल स्थानीय हिमालयी वास्तुकला का सुंदर उदाहरण है। इसके अलावा, राष्ट्रपति परिसर में 0.7 एकड़ का घुड़सवारी क्षेत्र विकसित किया गया है जो राष्ट्रपति के अंगरक्षकों (प्रेसीडेंटस बॉडीगार्ड) की ऐतिहासिक परंपरा का प्रतीक है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए इस अत्याधुनिक क्षेत्र में आठ घोड़ों की क्षमता वाला अस्तबल, उपचार कक्ष, स्नान व चारा कक्ष और आगंतुकों के लिए देखने का विशेष गलियारा तैयार किया गया है। ये दोनों नयी सुविधाएं अब आम लोगों के लिए सप्ताह में सोमवार को छोड़कर प्रतिदिन सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक उपलब्ध होंगी। यहां आगंतुकों को राष्ट्रपति सर्किट का समृद्ध अनुभव देने के लिए 'गाइडड टूर' की भी व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रपति निकेतन में इन दो नयी परियोजनाओं के लोकार्पण के साथ यह परिसर अब न केवल सुरक्षा और संरचना के दृष्टिकोण से उन्नत हुआ है, बल्कि हिमालयी विरासत और राष्ट्रीय गौरव का भी नया प्रतीक बन गया है।

'टाइप 1' मधुमेह से लड़ने में पश्चिम बंगाल विश्व स्तर पर अनुकरणीय : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल ने मधुमेह के उपचार में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि 'टाइप 1' मधुमेह से लड़ने में राज्य विश्व स्तर पर अनुकरणीय बन गया है। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, राज्य सरकार संचालित एसएसकेएम अस्पताल को गैर–संचारी रोग उपचार के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ द्वारा दी गई मान्यता का हवाला दिया। उक्त विशेषज्ञ ने हाल में इस अस्पताल का दौरा किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि टाइप 1 मधुमेह से लड़ने के लिए 'बंगाल मॉडल' एक वैश्विक अनुकरणीय मॉडल बन गया है। हाल में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के एसोसिएट प्रोफेसर जीन बुकमान (जिन्हें गैर–संचारी रोगों का विशेषज्ञ माना जाता है) ने हमारे एसएसकेएम अस्पताल का दौरा किया और इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल, देश में, किसी राज्य द्वारा चलाया जाने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है और उन्होंने इस परियोजना से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी।

बंगाल की खाड़ी में तीन छात्र डूबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नेल्लोर/भाषा। यहां बंगाल की खाड़ी में रविवार को इंटरमीडिएट के तीन छात्र डूब गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना अपराह्न करीब 1:30 बजे घटी, जब स्थानीय और समुद्री पुलिस कर्मियों द्वारा चेतावनी दिए जाने के बावजूद छात्र समुद्र में चले गए। अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, नेल्लोर के पास बंगाल की खाड़ी में तैरने गए तीन लड़के आज डूब गए। बाद में उनके शव बरामद कर लिए गए और किनारे पर लाए गए। मृतक जूनियर कॉलेज में पढ़ रहे थे। सूचना मिलने के बाद कृष्णापटनम बंदरगाह से एक समुद्री टीम के साथ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को किनारे पर ले आई। इस बीच, पुलिस मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

सुविचार

कुछ सच तो हम पहले से जानते थे, बस देखना चाहते थे कि लोग झूठ कहाँ तक बोल सकते हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंधविश्वास का जाल

इस युग में जहां भारत ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नए कीर्तिमान बना रहा है, वहीं विभिन्न इलाकों में जादू-टोना के शक में लोगों की पिटाई और हत्या की घटनाएं शर्मिंदगी की वजह बन रही हैं। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में जादू-टोना के शक में एक महिला की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। इसके अलावा, मेघालय के पूर्वी खासी हिल जिले में लगभग 200 लोगों की भीड़ ने जादू-टोना करने के शक में एक परिवार पर हमला बोल दिया! यह कैसी सोच है? हम कैसा समाज बना रहे हैं? भारतविरोधी विदेशी मीडिया ऐसे मुद्दों को उछालकर देश की छवि को बुरी तरह नुकसान पहुंचा सकता है। क्या इन लोगों को इसकी परवाह है? विदेशों में जब लोग ऐसी खबरें पढ़ते हैं तो वे भारत के बारे में यह धारणा बनाते हैं कि 'वहां तो अंधकार का युग चल रहा है, विज्ञान का कहीं नामो-निशान नहीं है!' क्या हम दुनिया के सामने अपने देश की ऐसी छवि पेश करना चाहते हैं? हर साल अंधविश्वास के नाम पर कितने ही अनर्थ होते हैं। कई लोगों ने अंधविश्वास को अपना धंधा बना लिया है। वे सोशल मीडिया पर भी इसका प्रसार करते दिखाई देते हैं। विज्ञान के इस वरदान का उपयोग ज्ञान की प्राप्ति के लिए करना चाहिए, लेकिन यहां ऐसे चैनलों की भरमार है जो अपने दर्शकों को गुमराह कर रहे हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले में जिस महिला की हत्या की गई, उसके बेटे का दावा है कि गांव में जब भी किसी की मौत होती थी तो मां पर जादू-टोना करने का आरोप लगाया जाता था।

सोचिए, अगर सच में ऐसा संभव होता तो देशों को वैज्ञानिक अनुसंधान, सेना और हथियारों की क्या जरूरत थी? उनकी सरकारें कथित जादू-टोना के जरिए ही अपने दुश्मनों का खात्मा कर देतीं! अगर जादू-टोना से ही किसी को हमेशा के लिए गायब करना संभव होता तो सुरक्षा एजेंसियां अब तक आतंकवादियों, डाकुओं, हत्यारों और खूंखार अपराधियों को गायब कर चुकी होतीं। इससे धरती पर कितनी शांति हो जाती! कोई व्यक्ति अपने विवेक और बुद्धि से जरा-सा भी काम ले तो आसानी से समझ सकता है कि इन अंधविश्वासों की बुनियाद ही मूर्खता पर टिकी है। इनके चक्कर में पड़कर न तो कोई धनवान बनता है, न सौभाग्य प्राप्त करता है। इनमें समय, संसाधन और मानसिक शांति का नाश होता है। अगर किसी काम में सफलता चाहिए तो सही तरीके से मेहनत करें। अच्छा स्वास्थ्य चाहिए तो प्रकृति के नियमों का पालन करें, चिकित्सक से सलाह लें। उन्नति करना चाहते हैं तो स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और अपनी ऊर्जा उसे प्राप्त करने में लगाएं। जादू-टोना जैसी बातों को न तो खुद सही मानें और न इनका प्रसार करें। कई लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करने, दुश्मनी निकालने के लिए दूसरों के बारे में ऐसी अफवाहें फैला देते हैं। इससे समाज में डर पैदा हो जाता है और संबंधित व्यक्ति से हर कोई दूरी बनाने लगता है। पूर्वी खासी हिल जिले में जो घटना हुई, वह बड़े हत्याकांड का रूप ले सकती थी। यह तो पुलिस की सतर्कता थी, जो उस परिवार के सामने ढाल बनकर खड़ी हो गई। अन्यथा उग्र भीड़ पूरे घर को फूंक सकती थी। पुलिस ने घर के अंदर मौजूद लोगों की बड़ी मुश्किल से जान बचाई। ऐसी घटनाएं मानवता के विरुद्ध गंभीर अपराध हैं। इन्हें रोकने के लिए सख्त कार्रवाई जरूरी है। साथ ही, जागरूकता पर जोर देना चाहिए। अंधविश्वास का जाल इसी से कटेगा।

ट्वीटर टॉक

रामगढ़ शेखावाटी में आयोजित वेदारण्य हेरिटेज एंड हीलिंग फेस्टिवल (वाह फेस्ट) में भागीदारी की। विश्व की ओपन आर्ट गैलरीशेखावाटी में श्रुति फाउंडेशन का आयोजन अनुकरणीय है। श्रुतिनाडा पोद्दार जी और गीता चंद्रन जी का आभार!

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कोटा में कैमिकल फैक्ट्री में गैस रिसाव से कई स्कूली बच्चों के बेहोश होने की ख़बर अत्यंत चिंताजनक है। गैस रिसाव से प्रभावित विद्यार्थियों को सरकार तत्काल उचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं एवं घटना की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे।

-गोविंद सिंह डोटासरा

मुख्यमंत्री निवास पर योग गुरु स्वामी रामदेव जी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आत्मीय सानिध्य प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के विकास एवं योग के माध्यम से जन-जन के स्वास्थ्य संवर्धन पर चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अहंकार

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक मूर्तिकार (मूर्ति बनाने वाला) रहता था। वह ऐसी मूर्तियां बनता था, जिन्हें देख कर हर किसी को मूर्तियों के जीवित होने का भ्रम हो जाता था। आस-पास के सभी गांव में उसकी प्रसिद्धि थी, लोग उसकी मूर्तिकला के कायल थे। इसीलिए उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। जीवन के सफर में एक वक्त ऐसा भी आया जब उसे लगने लगा कि अब उसकी मृत्यु होने वाली है, वह ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाएगा। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसकी मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिए उसने एक योजना बनाई। उसने हुबहू अपने जैसी दस मूर्तियां बनाई और खुद उन मूर्तियों के बीच जा कर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियों को देखकर दंग रह गए। वे पहचान नहीं कर पा रहे थे कि उन मूर्तियों में से असली मनुष्य कौन है। वे सोचने लगे अब क्या किया जाए। अगर मूर्तिकार के प्राण नहीं ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिए मूर्तियों को तोड़ा गया तो कला का अपमान हो जाएगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वाभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार को परखने का विचार आया। उसने मूर्तियों को देखते हुए कहा, कितनी सुन्दर मूर्तियां बनी हैं, लेकिन मूर्तियों में एक त्रुटी है। काश मूर्ति बनाने वाला मेरे सामने होता, तो मैं उसे बताता मूर्ति बनाने में क्या गलती हुई है।

सामयिक

बिहार में किस करवट बैठेगा चुनावी ऊंट?

योगेश कुमार गोयल

मो. 9416740584

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद से ही राज्य की सियासत उबाल पर है। दो चरणों में मतदान और 14 नवंबर को परिणाम, इन दो तिथियों के बीच अब हर बयान, हर गठबंधन, हर रैली और हर अपराध की खबर चुनावी हवा की दिशा तय करेगी। इस बार मुकाबला केवल नीतीश बनाम तेजस्वी या एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन का नहीं है बल्कि अनुभव बनाम उम्मीद, सुशासन बनाम बदलाव और भरोसे बनाम मोहभंग की त्रिकोणीय लड़ाई बन गया है। बीस वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठे नीतीश कुमार का राजनीतिक भविष्य अब जनता की अदालत में है और इस फैसले में बिहार का आने वाला दशक छिपा है। बिहार में इस बार 7.43 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालेंगे, जिनमें 3.50 करोड़ महिलाएं और 3.92 करोड़ पुरुष शामिल हैं। इनमें से करीब 14 लाख युवा ऐसे हैं, जो पहली बार मतदान करेंगे। यही नई पीढ़ी अब इस चुनाव की दिशा मोड़ सकती है क्योंकि वह जातीय समीकरणों से अधिक रोजगार, शिक्षा, पलायन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित है। इस बार का चुनावी रण बिहार की पारंपरिक राजनीति की जड़ों को चुनौती दे रहा है। जातिवाद, परिवारवाद और गठबंधन की राजनीति के बीच अब विकास, सुरक्षा और रोजगार की गूंज पहले से अधिक मुखर हो चुकी है।

इस बार का चुनावी रण बिहार की पारंपरिक राजनीति की जड़ों को चुनौती दे रहा है। जातिवाद, परिवारवाद और गठबंधन की राजनीति के बीच अब विकास, सुरक्षा और रोजगार की गूंज पहले से अधिक मुखर हो चुकी है।

राज्य की राजनीतिक पटकथा पिछले दो दशकों में अनेक बार बदली लेकिन एक चेहरा स्थायी रहा, नीतीश कुमार। 2005 में उन्होंने लालू यादव के शासन से सुशासन' की ओर संक्रमण का नारा दिया और जनता ने उसे हाथों-हाथ लिया लेकिन बीस वर्षों में वही चेहरा अब थकान का प्रतीक बन गया है। सत्ता विरोधी लहर स्पष्ट दिख रही है और विपक्ष इसे नीतीश थकान सिंड्रोम' कहकर प्रचारित कर रहा है। तेजस्वी यादव की आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों के साथ गठित महागठबंधन इस बार जोर-शोर से मैदान में है। वहीं एनडीए, जिसमें जेडीयू, भाजपा, लोजपा (रामविलास) और हम जैसे सहयोगी हैं, अपने पुराने समीकरणों पर भरोसा कर रहा है। मगर इन समीकरणों की जमीन पहले जैसी ठोस नहीं रही। भाजपा और जेडीयू के रिश्तों में तनाव है, सीट बंटवारे को लेकर खींचतान हुई है और नीतीश कुमार की उम्र और स्वास्थ्य पर लगातार चर्चा हो रही है।

भाजपा ने रणनीतिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव का मुख्य चेहरा बनाया हुआ है। राज्य में मोदी फैक्टर अब भी प्रभावी है लेकिन स्थानीय असंतोष इसे सीमित कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा के ढांचे की बदहाली, लगातार पलायन और अपराध के बढ़ते ग्राफ ने सुशासन की कहानी को कमजोर किया है। पटना से लेकर मुजफ्फरपुर और गया तक अपराध की घटनाएं आम होती जा रही हैं। हाल ही में मोकामा में हुई हत्या ने राज्य की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। चुनावी माहौल के बीच खुलेआम गोली चलना और जन सुराज के प्रत्याशी का खुलकर समर्थन कर रहे बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या यह संकेत देती है कि बिहार आज भी अपराध के साए से मुक्त नहीं है। विपक्ष इसे सुशासन का पतन' और जंगल राज' कहकर प्रचारित कर रहा है। जनता के मन में यह सवाल गूंज रहा है कि क्या बिहार का जंगल राज' कभी मंगल राज' बन सकेगा?

इन सबके बीच भ्रष्टाचार भी इस बार बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। प्रशांत किशोर, जो पहले चुनावी रणनीतिकार थे और अब जन सुराज पार्टी के नेता हैं, उन्होंने एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके आरोपों ने सत्ता पक्ष को रक्षात्मक बना दिया है। भाजपा ने पलटवार किया लेकिन जन धारणा में पीके की साफ-सुथरी राजनीति' का प्रभाव देखा जा सकता है। जन सुराज पार्टी का जनाधार भले सीमित हो लेकिन वह कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति पैदा कर सकती है। युवाओं और पढ़े-लिखे वर्ग में पीके की अपील बढ़ रही है, खासकर उन लोगों के बीच, जो जातिगत राजनीति से ऊब चुके हैं और नए विकल्प की तलाश में हैं।

एनडीए सरकार ने इस बार मतदाताओं को लुभाने के लिए कई लोकलुभावन घोषणाएं की हैं, महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि, युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता, किसानों को फसल बीमा राहत और मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं। भाजपा और जेडीयू दोनों इस बात पर दांव लगा रहे हैं कि महिलाओं का वर्ग, जो बिहार के चुनावों में अब निर्णायक बन चुका है, इन योजनाओं से प्रभावित होकर वोट करेगा। 2020 के चुनाव में महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक था और इस बार भी यह रुझान कायम रह सकता है। महिला मतदाताओं की नब्ज इस बार निर्णायक हो सकती है, वे ही तय करेंगी कि स्थायित्व बेहतर है या परिवर्तन की शुरुआत। दूसरी ओर, विपक्ष भी अपनी रणनीति पर आक्रामक है। तेजस्वी यादव ने रोजगार, शिक्षा और पलायन के मुद्दे को केंद्र में रखकर युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश की है। राहुल गांधी के साथ उनकी साझा रैलियों में भीड़ उमड़ रही है लेकिन भीड़ को वोट में बदलना उनकी सबसे बड़ी चुनौती है। विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का मुद्दा उठाया, यह नैरेटिव खासकर शहरी मतदाताओं और पढ़े-लिखे वर्ग में कुछ हद तक असर डाल सकता है।

राज्य का जातीय गणित भी बदला है। 2022 के जाति आधारित सर्वेक्षण ने यह स्पष्ट किया कि बिहार में अत्यंत पिछड़ा वर्ग अब सबसे बड़ा समूह है, करीब 36 प्रतिशत। ओबीसी करीब 27 प्रतिशत, एससी 19.6 प्रतिशत और मुस्लिम लगभग 17 प्रतिशत हैं। यही वर्ग अब चुनाव का निर्णायक चेहरा बन गया है। एनडीए इन वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है जबकि इंडिया गठबंधन यादव-मुस्लिम समीकरण को सहेजकर साथ ही पिछड़ों और दलितों को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रहा है। सवाल यह है कि क्या जातीय पहचान अब भी वोट का आधार बनी रहेगी या फिर मतदाता अपनी प्राथमिकताएं बदल चुका है? दिलचस्प तथ्य यह है कि बिहार के ग्रामीण इलाकों में एनडीए की पकड़ मजबूत है जबकि शहरी इलाकों में विपक्ष को समर्थन बढ़ता दिख रहा है। लेकिन भाजपा सत्ता विरोधी भावना को संगठनात्मक ताकत से काउंटर करने की कोशिश कर रही है। मोदी फैक्टर और केंद्र की योजनाओं का लाभ एनडीए को मिला है पर यह लाभ तभी टिकेगा, जब नीतीश सरकार की छवि थकी हुई व्यवस्था' से उबर सके। भाजपा के भीतर भी यह चिंता है कि नीतीश अब वोट खींचने वाले नहीं रहे पर वे गठबंधन के लिए अनिवार्य चेहरा' हैं, उन्हें हटाना जोखिम भरा कदम होगा।

विपक्ष के पास मौका है लेकिन उसके भीतर नेतृत्व का असंतुलन एक बड़ी कमजोरी भी है। तेजस्वी यादव की लोकप्रियता सीमित क्षेत्रों में केंद्रित है और कांग्रेस की पकड़ कमजोर पड़ चुकी है। यदि विपक्षी गठबंधन एकजुट रह सका और भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, अपराध जैसे मुद्दों को जनता के बीच जीवंत बनाए रख सका तो मुकाबला बेहद करीबी हो सकता है अन्यथा एनडीए सत्ता-विरोधी लहर को भी स्थायित्व और सुशासन' की ढाल से झेल लेगा। एक और बड़ा प्रश्न यह है कि क्या बिहार में इस बार महिला मतदाता कोई निर्णायक बदलाव ला पाएंगी? यह प्रश्न इसलिए अहम है क्योंकि 2005 से लेकर 2020 तक हर चुनाव में महिला मतदाताओं का रुझान उस दल की जीत से जुड़ा रहा है, जिसने उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सुविधा का भरोसा दिलाया। यदि महिलाएं एनडीए की योजनाओं से प्रभावित हुई तो यह गठबंधन को बढ़त दिला सकता है लेकिन यदि उन्हें लगे कि उनके जीवन में वास्तविक सुधार नहीं हुआ तो वे बदलाव का विकल्प चुन सकती हैं।

बिहार का यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति के संक्रमण का चुनाव है। एक तरफ सुशासन बाबू' की थकान और सत्ता के स्थायित्व की कहानी है, दूसरी ओर नई पीढ़ी की उम्मीदें और बदलाव की मांग। बीच में प्रशांत किशोर जैसा तीसरा विकल्प है, जो राजनीति के पुराने समीकरणों को चुनौती दे रहा है। यह चुनाव बताएगा कि बिहार अब भी परंपरागत जातीय राजनीति में बंधा है या वह सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को केंद्र में रखकर नई दिशा चुनने को तैयार है। 14 नवंबर को जब नतीजे आएंगे तो केवल यह नहीं बताएंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा बल्कि यह भी उजागर करेंगे कि बिहार का जनमत अब भी बीस वर्षों पुराने भरोसे पर टिका है या नई सोच की ओर अग्रसर हो चुका है। मोकामा जैसी घटनाएं, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार के आरोप, बेरोजगारी और पलायन की त्रासदी ने बिहार के मतदाताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस चुनाव के नतीजे केवल सत्ता नहीं, बिहार की राजनीति की आत्मा को भी नया रूप देंगे। यह चुनाव बिहार के लिए वह मोड़ साबित हो सकता है, जहां से राज्य या तो भविष्य की ओर छलांग लगाएगा या फिर अतीत के साए में लौट जाएगा, जहां 'जंगल राज' और 'मंगल राज' के बीच केवल जनता की समझदारी की दीवार खड़ी है।

नजरिया

सूखे नशे की गिरफ्त में दुनिया

संजीव ठाकुर

मो. 9009415415

महान साहित्यकार प्रेमचंद ने कहा था युवक वही जो अपनी ऊर्जा समाज के निर्माण में लगाए, विनाश में नहीं। आज वही संदेश पुनः प्रासंगिक है। आज भारत एक ऐसे गंभीर दौर से गुजर रहा है जहां आर्थिक, तकनीकी और वैचारिक प्रगति के समानांतर एक सामाजिक महामारी जन्म ले रही है ड्रग्स की। नशे की यह घातक लत हमारे युवा वर्ग को धीरे-धीरे विनाश की ओर ढकेल रही है। यह केवल स्वास्थ्य या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नैतिकता और भविष्य की चेतना से जुड़ा संकट बन चुकी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में ड्रग्स से संबंधित अपराधों में पिछले पाँच वर्षों की तुलना में लगभग 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, नशे के प्रभाव में किए गए बलात्कार, लूट, हत्या और हिंसक अपराधों की दर में भी लगातार वृद्धि देखी गई है। देश के महानगर-मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु, पंजाब, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई-इन अपराधों के सबसे बड़े केंद्र बन चुके हैं। मुंबई पुलिस की नारकोटिक्स इकाई ने केवल पिछले एक वर्ष में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं, जिनमें कोकीन, चरस, अफीम, हेरोइन और एमडी ड्रग्स जैसी घातक वस्तुएं शामिल हैं। मुंबई, गोवा और गुजरात की समुद्री सीमाएं अब ड्रग्स तस्करी के प्रमुख मार्ग बन चुकी हैं, जहाँ पाकिस्तान और अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक का नेटवर्क सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया में ड्रग्स का लगभग 30 प्रतिशत अवैध कारोबार भारत के रास्ते से होता है, जो न केवल हमारी युवा पीढ़ी के लिए खतरा है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर भी चोट करता है।

फिल्म उद्योग और ग्लैमर वर्ल्ड में भी ड्रग्स की पैठ ने समाज में एक खतरनाक आकर्षण पैदा किया है। सुशांत सिंह राजपूत प्रकरण के दौरान सामने आए मादक पदार्थ नेटवर्क ने पूरे देश को झकझोर दिया। इसने यह उजागर किया कि ड्रग्स की लत अब केवल समाज के निचले तबके तक सीमित नहीं, बल्कि उच्चवर्गीय समाज, कॉर्पोरेट पार्टियों, और आलीशान होटलों तक फैल चुकी है। वर्ष 2024 के नववर्ष की पूर्व संध्या पर केवल मुंबई और गोवा में लगभग 300 से अधिक ऐसी पार्टियों की पहचान पुलिस ने की, जहाँ सूखे नशे का सेवन किया जाना था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर इस विषय पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि नशा समाज का नहीं, संकल्प का शत्रु है। इससे लड़ाई केवल कानून से नहीं, जनजागरूकता से जीती जाएगी। वास्तव में, केवल पुलिस कार्रवाई या कानूनी सख्ती पर्याप्त नहीं है। समाज को इस बुराई के विरुद्ध सामूहिक चेतना के रूप में उठना होगा। नशे के विरुद्ध विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को जागरूकता की निरंतर पहल करनी होगी।

ड्रग्स तस्करी अब एक अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध बन चुकी है। अफगानिस्तान के 'गोल्डन क्रीसेंट' और म्यांमार-थाईलैंड के 'गोल्डन ट्रायंगल' से होकर आने वाला मादक पदार्थों का नेटवर्क भारतीय सीमा तक फैला हुआ है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) लगातार कार्रवाई कर रहे हैं, परंतु तस्कर अब डिजिटल मुद्रा, डार्क वेब और नकली व्यापारिक चैनलों के माध्यम से नये रास्ते बना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नशे की आपूर्ति श्रृंखला को नष्ट नहीं किया गया, तो इसका असर भारत की उत्पादक शक्ति-यानी युवाओं-पर स्थायी चोट के समान होगा।

नशे का सबसे भयावह पहलू यह है कि यह व्यक्ति की चेतना, विवेक और संवेदना को नष्ट कर देता है। एक बार यह लत लगने पर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली बदल जाती है और व्यक्ति अपराध करने में हिचकिचाता नहीं। अपराधशास्त्री डॉ. अरविंद नायर के शब्दों में, ड्रग्स व्यक्ति से मनुष्यत्व छीन लेता है, और जब इंसान की संवेदना मर जाती है, तब समाज में अपराध जन्म लेता है। यही कारण है कि नशे में धुत अपराधियों द्वारा किए गए बलात्कार, हत्या, लूट और सड़क दुर्घटनाएं समाज के लिए एक स्थायी भय बन चुकी हैं। दूसरी ओर, कॉलेजों और स्कूलों में भी ड्रग्स ने अपनी जड़ें जमानी शुरू कर दी हैं। किशोरों में 'ड्राइ ड्रग्स' यानी सूखे नशे (एमडी, एलएसडी, कोकीन पाउडर आदि) का चलन तेज़ी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से इन पदार्थों की बिक्री अब 'डिजिटल अपराध' का नया रूप बन चुकी है। राष्ट्रीय युवा सर्वेक्षण 2024 के अनुसार, भारत में 15 से 24 वर्ष की आयु के लगभग 12 प्रतिशत युवा किसी न किसी रूप में नशे के संपर्क में हैं, और इनमें से 70 प्रतिशत को यह आदत कॉलेज परिसर या मित्र मंडली से मिली। यह आँकड़ा न केवल चिंताजनक बल्कि आने वाले सामाजिक विघटन की चेतावनी भी है।

आज आवश्यकता है एक समन्वित राष्ट्रीय नीति की, जो ड्रग्स की रोकथाम, पुनर्वास और जनशिक्षा तीनों मोर्चों पर एक साथ काम करे। नशे के शिकार युवाओं के लिए पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए, स्कूल स्तर पर जीवन कौशल शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, और मीडिया में ऐसे अभियान चलाए जाएँ जो नशे को 'फैशन' नहीं बल्कि 'विनाश' के रूप में प्रस्तुत करें। महान साहित्यकार प्रेमचंद ने कहा था-युवक वही जो अपनी ऊर्जा समाज के निर्माण में लगाए, विनाश में नहीं। आज वही संदेश पुनः प्रासंगिक है। निश्चित रूप से ड्रग्स का यह संकट केवल कानून का नहीं, बल्कि समाज की आत्मा का प्रश्न है। जब तक हर घर, हर विद्यालय, हर नागरिक यह संकल्प नहीं लेता कि नशे को अपने परिवेश से मिटाना है, तब तक यह लड़ाई अधूरी रहेगी। नशे के व्यापारियों को पहचानना, उन्हें कानून के शिकंजे में लाना और युवा चेतना को पुनः जाग्रत करना ही भारत के भविष्य की रक्षा का एकमात्र मार्ग है। नशा केवल शरीर को नहीं मारता-यह विवेक, मूल्य और भविष्य तीनों को नष्ट करता है। अतः अब समय है कि राष्ट्र समवेत स्वर में कहे-ड्रग्स मुक्त भारत ही सुरक्षित भारत है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंधिया ने मेघालय के जीवित जड़ पुलों को प्रकृति के सामंजस्य का प्रतीक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाइनुरस्ला (मेघालय)/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मेघालय के प्रसिद्ध जीवित जड़ पुलों (लिविंग रूट ब्रिज) पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए इन्हें 'अतीत का दर्शन'' और मानव तथा प्रकृति के बीच सामंजस्य का प्रतीक बताया, जिसे संजोकर रखना और संरक्षित करना आवश्यक है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को पूर्वी खासी हिल्स जिले के रंगथिलियांग गांव में सबसे ऊंचे जीवित जड़ पुलों में से एक का दौरा किया, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों और समुदाय के बुजुर्गों के साथ बातचीत की, जिन्होंने सदियों पुराने प्राकृतिक चमत्कारों को संरक्षित किया है।

सिंधिया और पर्यावरणविद् मॉर्निंगस्टार खोंगथॉ ने अन्य लोगों के साथ मिलकर इन विशाल जीवित पुलों पर कुछ समय बिताया, जो नीचे जंगल की सतह से सैकड़ों फुट ऊपर खड़े थे। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने रविवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, जब आप यहां आते हैं, तो आपको अतीत की झलक, प्रकृति की सुंदरता और शांति, उसकी रचनात्मकता का एहसास होता है। जब वह पृथ्वी को अपनी बाहों में समेट लेती हैं और हम जैसे साधारण मनुष्यों को मिलने और जुड़ने का मार्ग प्रदान करती हैं। उन्होंने प्राकृतिक पुलों को लोगों और उनके पर्यावरण के बीच गहरे संबंध का प्रतिबिंब बताया और कहा, प्रकृति की प्राकृतिक सुंदरता, उसकी गर्माहट, कुछ ऐसी चीज है जिसे हमें, मनुष्यों के रूप में, भारतीयों के रूप में और मेघालय के लोगों के रूप में हमेशा संजोकर रखना चाहिए और उसकी पूजा करनी चाहिए क्योंकि वह हमारी रक्षक है। अपनी यात्रा को एक ''रोमांचक अनुभव'' बताते हुए मंत्री ने कहा कि ''वह मेघालय की मिट्टी और उसकी जड़ों के संपर्क में आकर अभिभूत हैं''। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मॉर्निंगस्टार खोंगथॉ के नेतृत्व वाले 'लिविंग रूट्स फाउंडेशन' के योगदान की भी प्रशंसा की।

खोंगथॉ ने 'पीटीआई-भाषा'' से कहा, मुझे केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री के साथ करीबी बातचीत करने का मौका मिलने पर खुशी है। मैंने मंत्री के माध्यम से केंद्र से मेघालय के इन चमत्कारों को उजागर करने का आग्रह किया। हमें पुलों को संरक्षित करने की जरूरत है।

मंत्री दो दिवसीय यात्रा के तहत मेघालय में थे और इस दौरान उन्होंने शनिवार को प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास पहल (पीएम-डिवाइन) योजना के तहत 233 करोड़ रुपये की लागत वाली सोहरा सर्किट परियोजना की आधारशिला भी रखी।

ब्रिटेन में ट्रेन के अंदर चाकू से हमला करने के मामले में दो लोग गिरफ्तार

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में एक ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला किया गया, जिसके बाद पुलिस ने शनिवार शाम को ट्रेन को रोककर घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ब्रिटेन की पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से नौ को जानलेवा चोटें आई हैं। आतंकवाद निरोधी पुलिस जांच में सहयोग कर रही है। कैम्ब्रिजशायर पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारी हंटिंगडन में ट्रेन को रोकने और घायलों को अस्पताल ले जाने के बाद ब्रिटिश यातायात पुलिस (बीटीपी) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कैम्ब्रिजशायर पुलिस ने एक बयान में कहा, हमें शाम 7:39 बजे (स्थानीय समयानुसार) सूचना मिली कि ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला किया गया है।

पुलिस ने कहा, अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और ट्रेन को हंटिंगडन में रोका गया, जहां दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने इस भयावह घटना की सोशल मीडिया पर निंदा की और लोगों से पुलिस की सलाह मानने का आग्रह किया। स्टार्मर ने कहा, हंटिंगडन के पास ट्रेन में हुई यह भयावह घटना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा, मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं और आपातकालीन सेवाओं को उनकी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद। इलाके में रहने वाले सभी लोगों को पुलिस की सलाह माननी चाहिए। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि हंटिंगडन में चाकूबाजी की घटना के बारे में सुनकर उन्हें बहुत दुख हुआ है। उन्होंने कहा, दो संदिग्धों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है। मुझे जांच के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जा रही है।

चीनी कलाकारों ने बीजिंग में रामायण नृत्य नाटिका का मंचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीनी नर्तकों के एक बड़े समूह ने प्रसिद्ध चीनी विद्वान दिवंगत प्रोफेसर शी शियानलिन द्वारा रामायण के अनुवाद पर आधारित नृत्य नाटिका आदि काव्य-प्रथम कविता का मंचन किया। चीन के भरतनाट्यम कलाकार शिन शानशान द्वारा निर्देशित तथा 50 से अधिक प्रतिभाशाली स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत इस नृत्य नाटिका का मंचन शनिवार को यहां भारतीय दूतावास में किया गया।

भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस नृत्य नाटिका के मंचन को अद्भुत सांस्कृतिक संगम बताया, जिसे बड़ी संख्या में दर्शकों ने देखा। बीजिंग में इस नृत्य नाटिका का मंचन दूसरी बार हुआ। इससे पहले, जनवरी 2025 में वहां इस नृत्य नाटिका का मंचन किया गया था। पिछले महीने दूतावास ने 'संगमम-भारतीय दार्शनिक परंपराओं का संगम' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया था, जिसमें प्रख्यात चीनी विद्वानों ने भगवद् गीता और भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर बात की थी।

प्रधानमंत्री ने एशियाई युवा खेलों में अब तक के 'सर्वश्रेष्ठ' प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एशियाई युवा खेल 2025 में 48 पदक जीतकर अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए रविवार को खिलाड़ियों को बधाई दी। हाल में बहरीन के मनामा में संपन्न हुए एशियाई युवा खेल 2025 में भारत 13 स्वर्ण पदक, 18 रजत और 17 कांस्य पदकों के साथ छठे स्थान पर रहा। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे युवा एथलीट ने एशियाई युवा खेल 2025 में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 48 पदक जीतकर इतिहास रच दिया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''पूरे दल को बधाई। उनका जुनून, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत साफ दिखाई दे रही है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।''

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मां का निधन

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मां हेमवंती देवी का निधन हो गया। वह 89 साल की थीं। अभिनेता के परिवार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, त्रिपाठी की मां का निधन शुक्रवार को बिहार के गोपालगंज के बेलसंड में उनके पैतृक गांव में हुआ। त्रिपाठी उनके आखिरी पलों में उनके साथ थे। बयान में कहा गया है, हमें आपको यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि पंकज त्रिपाठी की मां हेमवंती देवी का निधन हो गया है। अंतिम संस्कार शनिवार को त्रिपाठी के परिवार की मौजूदगी में बिहार के गोपालगंज में उनके पैतृक गांव बेलसंड में किया गया।

विश्व स्नूकर में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे आडवाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। तीन बार के चैंपियन पंकज आडवाणी सोमवार से दोहा में शुरू हो रही आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। पुरुषों की प्रतियोगिता दो चरण (तीन से छह नवंबर और सात से 13 नवंबर) में होगी जिसमें शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सीधे दूसरे चरण में जाएंगे। पारस गुप्ता, ध्वज हारिया, मलकीत सिंह और मोहम्मद हुसैन अंतिम चरण में आडवाणी और बृजेश दमानी के साथ शामिल होने की कोशिश करेंगे। शुक्रवार से शुरू होने वाली महिलाओं की प्रतियोगिता में मौजूदा राष्ट्रीय 6 रेड चैंपियन कीर्तना पांडियन और नताशा चेतन सहित छह भारतीय खिलाड़ी खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी।

थरूर ने शाहरूख को दी जन्मदिन की बधाई, कहा- अभिनेता जवान होते जा रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने अभिनेता शाहरुख खान के 60वें जन्मदिन पर उन्हें मुबारकबाद देते हुए रविवार को कहा कि इस अभिनेता को देखकर कोई यह नहीं कह सकता कि वह 60 बरस के हो गए हैं। थरूर ने खान को बॉलीवुड का सबसे बड़ा बादशाह बताते हुए कहा कि वह वास्तव में 'द क्यूरियस केस ऑफ बेंजामिन बटन' कहानी के असली जिंदगी के अभिनेता हैं, जिनकी उम्र बढ़ने के बजाय कम हो रही है। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा, बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान को 60वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! सच कहूं तो, मुझे यह 60' वाला अंक कुछ ज़्यादा ही संदेहजनक लग रहा है। थरूर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि स्वतंत्र फैक्ट-चेकर और फॉरेंसिक अधिकारियों की एक खास टीम ने इस '60 साल' वाले दावे की जांच की और निष्कर्ष निकाला कि शाहरुख खान वाकई 60 साल के हो रहे हैं इसका कोई सबूत नहीं मिला तथा अब भी वह कम उम्र के व्यक्ति जैसे दिखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसलिए यह दावा कि शाहरुख 60 साल के हो रहे हैं, तथ्यों के आधार पर साबित नहीं किया जा सकता।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, मुझे लगता है कि जो आधिकारिक कहानी बताई जा रही है, वह सच नहीं है। असल में शाहरुख खान मानो 'द क्यूरियस केस ऑफ बेंजामिन बटन' की वास्तविक, दशकों तक चलने वाली वैश्विक बॉलीवुड कहानी में अभिनय कर रहे हैं- क्योंकि वे उम्र के साथ जवान होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ज़रा सबूत देखिए, आज उनकी ऊर्जा का स्तर बीस साल पहले की तुलना में ज़्यादा लगता है। उनका हेयरस्टाइल साल-दर-साल और जवान लगता जा रहा है। और जहां तक झुर्रियों की बात है, अच्छी लाइटिंग टीम उन्हें आसानी से गायब कर देती है।

थरूर ने भविष्यवाणी की कि जब खान अपना 70वां जन्मदिन मनाएंगे, तब वह किशोर भूमिकाओं के लिए ऑडिशन दे रहे होंगे। थरूर ने कहा, मुझे उम्मीद नहीं है कि जब वह बाल कलाकार बनेंगे तो मैं उनके आसपास रहूंगा। 'द क्यूरियस केस ऑफ बेंजामिन बटन' कहानी 1922 में प्रकाशित हुई थी, जिसपर 2008 में हॉलीवुड फिल्म भी बनी थी। इस फिल्म में ब्रैड पिट ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में उनका किरदार बूढ़े शख्स के तौर पर शुरू होता है और उसकी उम्र बढ़ने के बजाय कम होती जाती है तथा वह जवान होता जाता है। पिछले हफ़्ते, थरूर ने शाहरुख़ ख़ान के बेटे आर्यन ख़ान की वेब सीरीज़ 'द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड' की जमकर तारीफ़ की थी।

अपने 'एक्स' अकाउंट पर शो का पोस्टर साझा करते हुए, लोकसभा सदस्य ने आर्यन की पहली सीरीज़ की समीक्षा की और कहा कि इसे देखने के बाद उनके पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले दो दिनों से सर्दी-खांसी से जूझ रहे थे और अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए थे। थरूर ने कहा, मेरी टीम और मेरी बहन ने मुझे मनाया कि मैं कुछ समय के लिए कंप्यूटर से दूरी बना लूं और इस दौरान मैंने नेटफ्लिक्स की एक सीरीज़ देखी और वह मेरे लिए अब तक का सबसे 'अच्छा तोहफ़ा' साबित हुई। सच में, यह पूरी तरह से बेहतरीन सीरीज़ है। एक और पोस्ट में उन्होंने लिखा था, शाहरुख एक पिता दूसरे पिता से कहना चाहता हैं: आपको ज़रूर बहुत गर्व हो रहा होगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया केन विलियमसन ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऑकलैंड/भाषा। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से कुछ दिन पहले रविवार को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। न्यूजीलैंड के लिए 93 टी-20 मैच खेलने वाले विलियमसन को हाल ही में 2026 के सत्र के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। संन्यास लेने की घोषणा करने के कारण इस 35 वर्षीय बल्लेबाज को बुधवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया।

विलियमसन ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2575 रन बनाए लेकिन वह एक भी शतक नहीं लगा पाए। वह कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की तैयारी के सिलसिले में आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने न्यूजीलैंड की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। उनका औसत 33 है और उन्होंने 18 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका उच्चतम स्कोर 95 रन है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 19,000 से अधिक रन बनाने वाले इस क्रिकेटर ने 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और 75 मैच में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 2016 और 2022 में दो टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 में फाइनल में कप्तानी करना शामिल है।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) से कहा, यह (टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना) कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे शुरू से ही पसंद था। मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, इस प्रारूप को अलविदा कहने का यह टीम और मेरे लिए सही समय है। इससे टीम को आगे बढ़ाने और टी20 विश्व कप के लिए टीम तैयार करने में मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले विलियमसन ने कहा कि टेस्ट और वनडे को लेकर उनकी राय स्पष्ट है और उनका ध्यान अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला पर है जिसका पहला मैच दो दिसंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना बहुत मायने रखता है जिसमें आप अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट का आभारी हूं जिसने हमेशा मेरा पूरा समर्थन किया।

शाहरुख खान अभिनीत 'किंग' 2026 में रिलीज होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'किंग' 2026 में रिलीज होगी। निर्माताओं ने रविवार को इसकी घोषणा की। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। सिद्धार्थ ने पहले शाहरुख के साथ 2023 में पठान' में काम किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। आगामी फिल्म 'किंग' रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। शाहरुख के 60वें जन्मदिन के मौके पर इसकी घोषणा की गई।

साथ ही शीर्षक का अनावरण वीडियो भी जारी किया गया, जिसमें अभिनेता सिल्वर हेयरकट के साथ एक नए अवतार में नजर आ रहे हैं। इसमें उनके एक्शन दृश्यों की झलकियां भी दिखाई गईं। प्रोडक्शन बैनर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो साझा किया। इसने कैप्शन में लिखा, सौ देशों में बदनाम, दुनिया ने दिया सिर्फ एक ही नाम- किंग। यह शोटाइम है! सिनेमाघरों में 2026। फिल्म में शाहरुख की बेटी सुहाना खान और दीपिका पादुकोण भी हैं।

शाहरुख और पादुकोण ने 'ओम शांति ओम', 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'पठान' और 'जवान' जैसी फिल्मों में काम किया है, जो 2023 में रिलीज हुई थी। अभिनेता पिछली बार राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी के साथ दिखाई दिए थे।

किलपॉक में श्रद्धा के साथ हुआ गुरु चरण पादुका पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में चल रहे अष्टान्हिका महोत्सव के अंतर्गत दूसरे दिन रविवार को आयोजन श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। दिन का प्रमुख आकर्षण रहा गुरु चरण पादुका पूजन, जो मंत्रोच्चारण एवं भक्ति-भाव से परिपूर्ण माहौल में आयोजित हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजन में भाग लेकर अपनी भक्ति अर्पित की।

आचार्यश्री ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि गुरु वह तराजू हैं, जो जीवन में देव और धर्म तत्त्व का संतुलन बनाए रखते हैं। गुरु वही है, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाए। उन्होंने कहा कि गुरु चरण पादुका पूजन हमारी गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। यह परंपरा हमें गुणों से जोड़ती है और आत्मा के शुद्ध भावों को जागृत करती है। आचार्यश्री ने चेताया कि जो परंपरा हमें पूर्वजों से मिली है, उसका सदैव सम्मान करना चाहिए, क्योंकि वही हमारे आध्यात्मिक जीवन की नींव है। उन्होंने आगे कहा, जो शिष्य बनता है, वही गुरु बन सकता है। यह आत्मा को गुरु बनाने की साधना है।

कार्यक्रम के लाभार्थी शांतिबाई फूलचंद परिवार रहे। इस अवसर पर जयंतिलाल जागरूक ने गुरु, दीक्षा और तप की महिमा पर भावपूर्ण कवितापाठ किया। सायंकालीन भक्ति में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक शैलेश भाई ने अपने म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंटल की अद्भुत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में संगीत संयोजन धीरज निंब्जिया ने किया।

माहेश्वरी सभा के स्नेह मिलन में मेधावी छात्र हुए सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सभा के तत्त्वावधान में दिवाली स्नेह मिलन का आयोजन दीपोत्सव 2 नवंबर को अरुम्बाक्कम स्थित डी.जी. वैष्णव कॉलेज में हुआ। दिवाली स्नेह मिलन कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान फलोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है।

कार्यक्रम का प्रारंभ प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर राठी, मुख्य अतिथि आईपीएस संतोष कुमार, तमिलनाडु-केरल-पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति के सदस्य सत्यनारायण भूतड़ा, फलोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी अर्चना संजय, कार्यक्रम चेयरमेन श्रीमोहन दम्माणी, सभा के उपाध्यक्ष कमल गोइदानी, हरि किशन मूंदड़ा, सचिव संजय मूंदड़ा और कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी को मंच पर आमंत्रित किया।

सचिव संजय मूंदड़ा ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन एवं महेश वंदना के साथ कार्यक्रम में सभी का स्वागत सभा अध्यक्ष श्री गौरी शंकर राठी ने किया।

दीपावली शुभकामनाओं के क्रम में, तमिलनाडु-केरल-पांडिचेरी प्रादेशिक अध्यक्ष प्रमोद मालपानी,ऑल इंडिया माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति के सदस्य सत्यनारायण भूतड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष ममता बागड़ी, माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष कपिल पंसारी, माहेश्वरी सत्संग समिति के अध्यक्ष बंसीलाल दलाल, माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष सुनील सारडा, माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष सुदर्शन मंत्री, माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट से जय प्रकाश मालपानी, समन्वय से ममता भूतड़ा, एम सर्किल से आशीष झवर और मिस्टर एवम मिसेज से संजय बिसानी और अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों ने दीपावली की शुभकामनाएं दीं। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के चेयरमेन श्रीमोहन दम्माणी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि माहेश्वरी समाज के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन पूरे समाज के लिए गौरव की बात है। तमिलनाडु, पांडिचेरी एवं केरल से वर्ष 2024-25 की दसवीं, बारहवीं एवं स्नातक परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले, साथ ही चार्टर्ड अकाउंटेंट और डॉक्टर की उपाधि पाने वाले कुल 30 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। फलोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री मति अर्चना संजय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। मेधावी छात्रों के सम्मान के बाद श्री माहेश्वरी क्लब द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सराहा। इस मौके पर सुबह विद्यार्थियों के लिए नई दिशाएँ - कैरियर गाइडेंस विषय पर एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया है। इस सत्र के मुख्य वक्ता विक्रम पटेल (दिल्ली) थे। कार्यक्रम का संचालन लविता माहेश्वरी ने किया।

हमारे जीवन में देव, गुरु, धर्म के असीमित उपकार हैं : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. के यशस्वी व उपलब्धि पूर्ण चातुर्मास की सम्पूर्ति के उपलक्ष्य में रविवार को श्री जैन संघ गोपालपुरम चेन्नई के तत्वावधान में कृतज्ञता ज्ञापन समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंच परमेष्ठी की स्तुति संगान व लोगस्स जप साधना से हुआ।

कपिल मुनिजी ने कृतज्ञता दिवस के प्रसंग पर कहा कि प्रत्येक प्राणी की जीवन यात्रा एक दूसरे के सहयोग पर आधारित है। हमारे जीवन में जिनका भी सहयोग है उनके प्रति अहोभाव से ओतप्रोत होकर कृतज्ञ बनना मानवीय सद्गुण है। उपकारी को विस्मृत करना एक ऐसा अपराध है जिसकी शुद्धि का कोई प्रावधान भी नहीं है। अत:इंसान को अपने उपकारी व सहयोगी को भूलने रूप कृतघ्नता के पाप से सदैव बचते रहना चाहिए। पशु पक्षी और प्रकृति भी अपने उपकारी के प्रति अकृतज्ञ नहीं बनते। मुनिश्री ने कहा कि हमारे जीवन में भी देव गुरु और धर्म का असीमित उपकार है। उन्ही की कृपा का यह प्रतिफल है कि छाजेड़ भवन के प्रांगण में यह चातुर्मास जप तप की साधना और प्रवचन सभा में प्रतिदिन श्रोताओं की आशातीत उपस्थिति के साथ सफलता के शिखर तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास की सफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु सभी के सामुहिक प्रयासों का परिणाम है उन्होंने गोपालपुरम संघ के सभी पदाधिकारी गण और इसमें प्रत्येक सहयोगी के नाम उल्लेख करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए पूज्य श्री कपिल मुनि जी म.सा. के प्रति संपूर्ण चेन्नई वासियों की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित की और कहा कि पूज्य गुरुदेव ने जैन संघ गोपालपुरम संघ पर महती कृपा करके यहाँ निरंतर चार माह तक जिनवाणी की अमृत गंगा प्रवाहित की जिससे सैंकड़ों युवाओं के मन में नैतिकता और धार्मिकता का संचार हुआ है। जैनत्व के प्रति श्रद्धा प्रगाढ़ बनी है। हम भक्तजन गुरुदेव के इस उपकार को कदापि नहीं भुला सकते। उन्होंने सफल चातुर्मास की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया।

संघ संरक्षक सुभाषचंद रांका ने मुनिश्री के व्यक्तित्व की विशेषताओं का जिक्र करते हुए कहा कि आपश्री का वरदहस्त हम पर सदैव बना रहे। मुनिश्री की जादू भरी वाणी ने सभी श्रद्धालुओं को अपनी प्रतिभा का कायल बना दिया है। उन्होंने चातुर्मास की सफलता के लिए जिनवाणी के सभी श्रोताओं के प्रति आभार प्रकट किया। संघ के अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने कहा कि हमारे संघ का प्रबल भाग्य उदय हुआ जिसकी बदौलत हमें आडम्बर प्रदर्शन से कोसों दूर रहने वाले सरल और स्पष्ट व्यक्तित्व के धनी ओजस्वी संत रत्न का चातुर्मास मिला। ज्ञात अज्ञात रूप से हुई किसी भी प्रकार की त्रुटि, अवज्ञा और आशातना के लिए गोपालपुरम संघ की ओर से मुनिश्री के समक्ष क्षमा याचना की। कार्यक्रम का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

मौन में ही मिलता है ईश्वर का साक्षात्कार : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि ईश्वर को शब्दों से नहीं, मौन से पाया जा सकता है। जब मन शांत होता है, तब आत्मा ईश्वर के स्पर्श को अनुभव करती है। गुरुदेव ने कहा कि मौन साधना को अपनाइए, क्योंकि मौन में ही मनुष्य अपने सच्चे स्वरूप से परिचित होता है और वही साक्षात्कार ईश्वर का साक्षात्कार है। संसार में मनुष्य अनेक ध्वनियों, विचारों और इच्छाओं से घिरा रहता है। जब तक भीतर का शोर शांत नहीं होता, तब तक सत्य की अनुभूति संभव नहीं। उन्होंने कहा कि मौन कोई कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक है। मौन के माध्यम से मनुष्य स्वयं को सुनना सीखता है, और यही सुनना उसे परमात्मा तक पहुंचाता है। वरुण मुनि जी ने कहा कि जो व्यक्ति मौन की साधना करता है, उसके भीतर का अहंकार गल जाता है, भाव निर्मल हो जाते हैं और आत्मा परमात्मा से एकाकार होने लगती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे झील का पानी शांत होता है तो उसमें आकाश स्पष्ट दिखाई देता है, वैसे ही जब मन शांत होता है तो उसमें ईश्वर का प्रतिबिंब झलकता है।प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी ने मंगल पाठ का वाचन किया।

बालक कच्ची मिट्टी की तरह है जैसा चाहे वैसा हम ढाल सकते हैं : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी 'कमलेश' ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि बालक देश की अनमोल धरोहर है, जिनके कंधों पर देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण हो सकता है। बालक बालक ही नहीं वह परमात्मा से कम नहीं। जैन दिवाकर चौथमलजी महाराज की 148 की जयंती पर संबोधित करते कहा कि बालक कच्ची मिट्टी के समान होते हैं उसे जिस रूप में चाहे उस तरह से ढाल सकते हैं। मिट्टी सूखने के बाद नहीं ढलती वैसे ही जब बचपन पर बच्चों को ध्यान नहीं देते बाद में पश्चाताप अलावा कोई शेष नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि जो माता-पिता बच्चों के सामने बुराइयां अपनाते हैं गलतियां करते हैं व्यसन युक्त जीवन जीते हैं वह खुद तो बर्बाद होते हैं। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन माता-पिता से बड़ा शत्रु संतान का और कोई नहीं हो सकता।

मुनि कमलेश ने कहा कि संस्कार का निर्माण मां के गर्भ में शुरू हो जाते हैं, वही सबसे बड़ी पाठशाला है। प्रशिक्षण का केंद्र है आज का विज्ञान भी इसको स्वीकार कर रहा है। वह संस्कार अमिट और जन्म जन्मांतर तक रहते हैं। आध्यात्मिक संस्कार के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण संभव है। वह सद्गुरु के चरणों से ही प्राप्त किया जा सकते हैं। बचपन में संस्कारों की नींव मजबूत है और उसके सामने कितनी भी तूफान आए उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

जैन संत ने कहा कि गुरुकुल पद्धति वापस विकसित होनी चाहिए। वह इसका सशक्त माध्यम है जहां पर अनुभव और आचरण का प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। अंत में कहा कि छोटा सा छेद नाव को ले डूबता है वैसी छोटी सी भूल जीवन का विनाश कर देती है।

माली जैसे पौधे की रक्षा करता है वैसे माता-पिता को माली बनकर बच्चों संस्कारों की रक्षा करनी चाहिए। धार्मिक पाठशाला में आने वाले करीब 100 बच्चों का अभिनंदन किया गया पुरस्कार दिए गए। जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा तमिलनाडु के पवन बोरा ने बताया कि 'गुड लक योजना' के माध्यम से तप त्याग साधना करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या अप्रैल में 46 से घटकर अब 38 हुई

नई दिल्ली/भाषा। भारत में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों के वर्गीकरण की ताजा समीक्षा में पाया गया कि अप्रैल में नौ राज्यों में इनकी संख्या 46 थी, जो अब घटकर 38 रह गई है और चिंताजनक जिलों की श्रेणी में केवल चार तथा सबसे अधिक प्रभावित जिलों की श्रेणी में महज तीन जिले रह गए हैं। यह समीक्षा वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से निपटने के लिए 'राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015' के एक हिस्से के रूप में की गई, जिसके तहत केंद्र और राज्य सरकारें इस खतरे का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करती हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 15 अक्टूबर को ताजा वर्गीकरण अधिसूचित किया था।

सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है, लिहाजा सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) के अंतर्गत आने वाले जिलों की संख्या एक अप्रैल को 46 से घटकर अब 38 रह गई है। आधिकारिक रिकॉर्ड भी इस बात की पुष्टि करते हैं। एसआरई एक शीर्ष स्तरीय एलडब्ल्यूई नीति योजना है, जिसके तहत केंद्र वामपंथी उग्रवाद से लड़ने के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एसआरई जिलों को आगे वामपंथी 'उग्रवाद प्रभावित जिलों' और विरासत एवं 'प्रबल जिलों' में वर्गीकृत किया जाता है। सूत्रों के अनुसार, मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा करने की केंद्र सरकार की घोषणा के तहत सुरक्षा बलों की आक्रामक कार्रवाई के बाद, इन सभी श्रेणियों में नक्सली हिंसा और प्रभाव के स्तर में गिरावट देखी गई है।

रिकॉर्ड के मुताबिक, अप्रैल में इस श्रेणी में छह जिले थे। ताजा वर्गीकरण में 27 जिलों को 'विरासत एवं महत्वपूर्ण जिलों' के अंतर्गत रखा गया है। इनमें ओडिशा के आठ, छत्तीसगढ़ के छह, बिहार के चार, झारखंड के तीन, तेलंगाना के दो और आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र तथा पश्चिम बंगाल के एक-एक जिले शामिल हैं। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, विरासत एवं महत्वपूर्ण जिलों' में उन जिलों को रखा गया है, जहां नक्सलवाद का अंत हो चुका है, लेकिन ये वामपंथी उग्रवाद के विस्तार के खतरे वाले संभावित स्थल हैं और इसलिए राज्यों के क्षमता निर्माण के लिए वहां लगातार सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। रिकॉर्ड के मुताबिक, अप्रैल में इस श्रेणी में 28 जिले थे। सूत्रों ने बताया कि ताजा समीक्षा के बाद आठ जिलों को इस श्रेणी से बाहर कर दिया गया और सात को इसमें शामिल किया गया।

महावीर भवन में 'सेवा संवाद' कार्यक्रम में पशु संरक्षण पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के महावीर भवन में पीपुल फॉर एनिमल्स संस्था द्वारा सेवा ही धर्म सिद्धांत को अपनाते हुए एक विशेष सेवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के अध्यक्ष तेजराज विनायक, उपाध्यक्ष मनोज वेदमुथा, सहकोषाध्यक्ष विकास लुंकड विद्या शेट्टी, विद्या तालुके सहित पीपुल फॉर एनिमल्स के कई सक्रिय सदस्य व मानव सेवा संस्था से जुड़े पशु प्रेमी किशोर पटेल उपस्थित थे। इस अवसर पर मुनिश्री नवीन प्रज्ञा जी के सान्निध्य में प्रेरक सेवा संवाद हुआ, जिसमें मुनिश्री जी ने संगठन को पांच महत्वपूर्ण तत्व प्रदान करते हुए सेवा मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पिंटू सिंघवी ने बताया कि पीपुल फॉर एनिमल्स संस्था ने अब तक एंबुलेंस एवं रेस्क्यू सेवा के माध्यम से 10 हजार से अधिक घायल एवं कमजोर प्राणियों की रक्षा की है। उपस्थित सभी सदस्यों ने पशु संरक्षण व देखभाल पर जोर दिया।

हमें जो कुछ भी मिला है स्वीकार करा : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने रविवार को प्रवचन के दौरान बताया कि हमें परिवार अच्छा मिला, इसका मतलब है कि हमारा भूतकाल अच्छा था। हमें स्वस्थ शरीर मिला, क्योंकि हमारे पूर्व कर्म अच्छे थे। आज भी हमें जो कुछ अच्छा मिला है, वह हमारे अच्छे कर्मों का परिणाम है। मुनिश्री ने कहा कि आज भी बहुत से लोग हैं जो इस जिंदगी को अच्छा नहीं मानते, जबकि यह जीवन स्वयं में प्रसाद के समान है। जैसे प्रसाद में हम कोई कमी नहीं निकालते क्योंकि वह ईश्वर का दिया हुआ होता है, वैसे ही जीवन में भी कोई कमी नहीं निकालनी चाहिए। हमें आंखें मिली हैं जो हर सुबह भगवान के दर्शन कराती हैं, उन आंखों को थैंक यू कहो, इस जिंदगी को धन्यवाद दो कि उसने हमें सब कुछ दिया है।

उन्होंने कहा कि श्रीराम ने वनवास को भी वरदान समझा, क्योंकि उन्होंने यह नहीं सोचा कि मेरे पिता ने मुझे क्या दिया। अगर क्षमता हो तो वनवास को भी वरदान बनाया जा सकता है। मीरा बाई ने ज़हर को अमृत बनाया, यह कोई चमत्कार नहीं था, उन्होंने उसे प्रसाद समझ लिया। देने वाला चाहे ज़हर दे रहा हो, लेकिन लेने वाले ने उसे प्रसाद मान लिया, जीवन जो भी दे, उसे प्रसाद समझकर स्वीकार करो।

मुनिश्री ने आगे कहा कि ज़िंदगी से शिकायत मत करो कि मुझे यह क्यों नहीं मिला या यह क्यों मिला। जीवन जो भी दे, उसे प्रसाद मानकर स्वीकार करो। अगर स्वीकृति होगी तो सब अच्छा होता जाएगा। लेकिन अगर जीवन को बोझ समझोगे, तो जीना कठिन हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जो हमें मिला है, अगर उसे प्रसाद मान लेंगे, तो उसका दुरुपयोग नहीं करेंगे। जैसे भोजन में प्रसाद को जूठा नहीं छोड़ते क्योंकि वह पवित्र होता है, वैसे ही आंखें, वाणी और शरीर हमें अच्छे कर्मों का प्रसाद मिला है, इसलिए उनका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। जो हमारे पास है, वह अनगिनत जीवों के पास नहीं है, इसलिए जो मिला है उसका सम्मान करो। मंगलवार को कृतज्ञता दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.